RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः54 , मंगलवार, 07 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी में तीन थानों के थानाध्यक्ष बदले, सुनील कुमार को हरसिद्धि की कमान 03

रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण, क्षेत्रीय अपर निदेशक ने व्यवस्थाओं ... 04

रिलीज हुआ डकैत का ट्रेलर,एक्शन अवतार में दिखीं मृणाल ठाकुर... 07

संक्षिप्त समाचार

अब सीबीआई के रडार पर अरुणाचल सीएम का परिवार

- 1270 करोड़ का है मामला,सुप्रीम कोर्ट बोला-जांच करो

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सीबीआई यानी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को निर्देश दिया कि अरुणाचल प्रदेश में सार्वजनिक कार्यों के ठेके मुख्यमंत्री पेमा खांडू के परिजन से जुड़ी कथित कंपनियों को दिए जाने के मामले में जांच करे। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी को 2 सप्ताह के अंदर जांच शुरू करने के लिए कहा है। पीठ ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह इस मामले में 16 सप्ताह में अपनी स्थिति रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि आदेश के तहत राज्य में 1 जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2025 तक सार्वजनिक कार्यों, ठेकों और कार्य आदेशों के आवंटन और उनके कामों की जांच की जाए। जस्टिस नाथ ने आदेश सुनाते हुए कहा, सीबीआई इस निर्णय की तारीख से दो सप्ताह में प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज करेगी और कानून के अनुसार आगे बढ़ेगी। **1200 करोड़ रुपये से ज्यादा के काम जांच के दायरे में**- विस्तृत आदेश का इंतजार है। शीर्ष अदालत ने 17 फरवरी को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि पिछले 10 वर्ष में अरुणाचल प्रदेश में लगभग 1,270 करोड़ रुपये के सरकारी ठेके और कार्य आदेश मुख्यमंत्री खांडू के परिजन से जुड़ी चार कंपनियों को दिए गए। याचिकाकर्ता एनजीओ सेव मोन रीजन फेडरेशन और वॉलंटरी अरुणाचल सेना की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने राज्य सरकार द्वारा दायर हलफनामे का हवाला देते हुए दलील दी कि कई ठेके मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली कंपनियों को दिए गए।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में बड़ी चूक

गेट तोड़कर अंदर घुसी कार, ड्राइवर फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में एक बड़ी चूक का मामला सामने आया है। यहां एक अज्ञात कार गेट तोड़कर परिसर के अंदर घुस गई और फिर वहां से फरार होने में सफल रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार कार ने विधानसभा के गेट को टक्कर मारी और उसे तोड़कर अंदर दाखिल हो गई। अचानक हुई इस घटना से वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों में हड़कंप मच गया। इससे पहले कि उसे रोका जाता, चालक कार समेत मौके से भाग निकलने में कामयाब रहा। अब तक सामने आई जानकारी

के मुताबिक आरोपी दिल्ली विधानसभा के गेट संख्या दो को टक्कर मारकर भागा है। घटना दोपहर ढाई बजे के आसपास की है और गाड़ी आगरा नंबर की बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में तुरंत ऐक्शन लेते हुए गाड़ी की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जबरन दिल्ली विधानसभा में घुसने के बाद ड्राइवर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष वीजेंद्र गुप्ता के ऑफिस की तरफ गया और वहां एक गुलदस्ता भी रखा। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक कार ने लोहे का गेट तोड़कर गेट नंबर 2 में जबरन प्रवेश किया। ड्राइवर ने वहां फूलों का गुलदस्ता रखा और चला गया। वाहन की तलाश जारी है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उस गेट पर सीआरपीएफ तैनात की गई है। वहीं सीसीटीवी के आधार पर आरोपी को पंहचानने की कोशिश की जा रही है।

फारस की खाड़ी से तिरंगा लहराते सुरक्षित निकला 'ग्रीन आशा'

- अब भारत का जग विक्रम जहाज ही फंसा,सान्वी आज पहुंचेगा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान में जारी जंग के बीच लिक्विफॉयड पेट्रोलियम गैस को लेकर आ रहा भारतीय झंडे वाला जहाज ग्रीन आशा ने रविवार को होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया है। यह जहाज होर्मुज में फंसा हुआ था। अब भारत का केवल जग विक्रम ही होर्मुज में फंसा हुआ है। ग्रीन आशा जहाज को अब भारतीय नौसेना के निर्देशों के मुताबिक भारत की ओर रास्ता तय करना है। इससे पहले ग्रीन सान्वी ने 3 अप्रैल को होर्मुज पार किया था। रिपोर्टों के अनुसार, ग्रीन सान्वी 46,655 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर

गुजरात के भरूच जिले में 7 अप्रैल को दाहेज बंदरगाह पर पहुंचने वाला है। उसी वक्त एलपीजी कैरियर मुंबई में खड़ा है, जहां सान्वी से माल उतारा जाएगा। वहीं, एक और पोत को 4 अप्रैल को ही चेन्नई में एन्नौर की ओर मोड़ दिया गया था। यह गतिविधियां तब और बढ़ गई थीं, जब 47,612 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर जग वसंत कोलकाता पहुंचा था। वहीं, पाइन गैस पोत 45,000 मीट्रिक टन माल लेकर न्यू मंगलौर पहुंचा था। जहाजरानी मंत्रालय के अनुसार, 16 भारतीय पोत फारस की खाड़ी में हैं, जो होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में हैं। वहीं, चार जहाज ओमान की खाड़ी में हैं इसके अलावा, एक जहाज अदन की खाड़ी में है। वहीं, 2 जहाज लाल सागर में हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद जहाजों में से 5 जहाज मूवमेंट कर रहे हैं। वहीं, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के 5 जहाज हैं। जबकि चार अन्य जहाज भी हैं।

होर्मुज से जहाजों को निकालने की कोशिशें जारी हैं

रिपोर्टों में कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र में पोतों पर सवार 20,000 भारतीय नाविक हैं। इनमें से 528 नाविक भारतीय झंडे लगे हुए जहाजों पर हैं तो वहीं, 433 नाविक फारस की खाड़ी के जहाजों पर तैनात हैं। वहीं, 95 नाविक ओमान की खाड़ी में जहाजों पर हैं। 5 अप्रैल तक कई शिपिंग कंपनियां 1,479 नाविकों को क्षेत्र से निकालने की कोशिशों में जुटी हुई थीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत सरकार लगातार ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं। होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकासी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर खुद बातचीत कर रहे हैं। वहीं, होर्मुज के बाद से भारत जाने वाले जहाजों को भारतीय नौसेना लगातार निगरानी और सुरक्षा दे रही है।

ईरान युद्ध पर अड़ा, अमेरिका दुनिया भर में अकेला पड़ा

- शियादेश ने ग्लोबल सप्लाई ठप करने की दे दी धमकी

पाकिस्तान ने ईरान-अमेरिका को सीजफायर प्लान सौंपा

तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के धमकी पर जिम्बाब्वे स्थित ईरानी दूतावास ने तंज भरे अंदाज में जवाब दिया है। दूतावास ने कहा कि 'होर्मुज स्ट्रेट की चाबी खो गई है।' दरअसल, ट्रम्प ने ईरान को अल्टीमेटम दिया है कि वह इस समुद्री रास्ते को तुरंत खोल दे, नहीं तो उसे गंभीर सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उसके पावर प्लांट और पुलों हमला होगा और ईरान को नरक बना दिए जाएगा। ईरान के कुछ अन्य दूतावासों ने भी सोशल मीडिया

पर ट्रम्प का मजाक उड़ाया है। दक्षिण अफ्रीका में मौजूद ईरानी दूतावास ने तंज करते हुए कहा कि चाबी फूलदान के नीचे है, दोस्तों के लिए रास्ता खुला है। वहीं इस जंग को रोकने पर आज सहमति बन सकती है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक पाकिस्तान ने दोनों देशों को सीजफायर का प्रस्ताव सौंपा है।

ईरान ने ग्लोबल सप्लाई ठप करने की धमकी दी

ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के हमले बढ़े तो वह ग्लोबल सप्लाई चेन को ठप कर देगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज के अलावा दूसरे समुद्री रास्तों को भी निशाना बना सकता है। ईरानी सुप्रीम लीडर के सलाहकार अली अकबर वेलायती ने कहा कि किसी भी बड़ी कार्रवाई का जवाब सिर्फ सैन्य स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा और व्यापार पर असर डालकर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ही नहीं, बल्कि बाब-अल-मंदेब जैसे अहम समुद्री रास्ते भी खतरे में आ सकते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने का अल्टीमेटम दिया है।

इजरायल के हमले में मारे गये जनरल खादेमी

आईआरजीसी के खुफिया प्रमुख थे, ईरान ने की पुष्टि

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में जानकारी दी गई है कि सोमवार को अमेरिका और इजरायल की तरफ से किए गये एक हवाई हमले में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के

इंटेलिजेंस चीफ मेजर जनरल सैयद माजिद खादेमी मारे गए हैं। आईआर जीसी ने एक बयान में कहा कि सुबह तड़के हुए एक हमले में खादेमी की मौत हो गई। बयान में यह नहीं बताया गया कि उनकी मौत कहां हुई। ईरान के आधिकारिक बयान में कहा गया कि जनरल खादेमी ने लगभग 50 वर्षों तक सेवा की थी और इंटेलीजेंस और सुरक्षा सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। बयान में आगे कहा गया कि ईरान में दुश्मनों की घुसपैठ को रोकने और शासन की सुरक्षा को कमजोर करने के प्रयासों से निपटने में उनकी अहम भूमिका थी।

बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ रोकने के लिए बना अनोखा प्लान

- बीएसएफ की तैयारी,अब सांप और मगरमच्छ देंगे बॉर्डर पर पहरा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठियों की समस्या से निपटने के लिए बीएसएफ एक अनोखा प्लान तैयार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश सीमा के नदी और दलदली इलाकों में घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ प्राकृतिक बैरियर के तौर पर सांप और मगरमच्छों के इस्तेमाल की संभावना पर चर्चा रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह विचार सीमा के उन संवेदनशील हिस्सों के लिए है जहां सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं है। करीब 4096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा में लगभग 175 किलोमीटर हिस्सा नदी और दलदली क्षेत्र में आता है, जिससे केवल भौतिक अवरोधों के जरिए घुसपैठ, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकना काफी मुश्किल हो जाता है। सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देने की नीति के तहत अधिकारियों से ऐसे नदी क्षेत्रों की पहचान करने को कहा गया है, जहां इस तरह की योजना लागू की जा सके। हालांकि यह प्रस्ताव अभी केवल चर्चा के स्तर पर है और भविष्य में इसे लागू किया जाएगा या नहीं, यह साफ नहीं है।

सीएम आवास में हुई साजिश अमित जोगी थे मास्टरमाइंड

हाईकोर्ट ने पुख्ता सूबतों पर पूर्व सीएम के बेटे को दी उम्रकैद

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बहुचर्चित एनसीपी नेता रामावतार जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने 31 मई 2007 के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें ट्रायल कोर्ट ने अमित जोगी को बरी कर दिया था, जबकि अन्य आरोपियों को दोषी ठहराया गया था। हाईकोर्ट ने अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी मानते हुए उन्हें एक हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने का भुगतान नहीं करने पर छह माह अतिरिक्त कठोर जेल का प्रावधान लागू होगा। वर्तमान में जमानत पर चल रहे अमित जोगी को अदालत ने निर्देश दिया है कि वे तीन सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करें।

कांग्रेस ने वही गाना गाया,जिसे पाकिस्तान ने लिखा

- मोदी बोले-ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की भाषा बोल रही थी कांग्रेस

पीएम ने कहा-विपक्ष ने एक अहम समय पर भारतीय सेना का मनोबल गिराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही थी। यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष ने एक अहम समय पर भारतीय सेना का मनोबल गिराया। मोदी ने कहा कि, कांग्रेस नेताओं के बयान अक्सर पाकिस्तान की बातों या पसंद से मेल खाते लगते हैं, और इस पाकिस्तान कनेक्शन ने देश को नुकसान पहुंचाया है। 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, असम के बारपेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने बार-बार ऐसे रुख अपनाए हैं जो पाकिस्तान के पक्ष में रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां तक कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी, हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान को कुछ ही घंटों में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। लेकिन कांग्रेस ने वही गाना गाया, जिसे पाकिस्तान ने लिखा।

पाकिस्तान के रुख मेल खाती है कांग्रेस की बातें: मोदी

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयान वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को कमजोर करते हैं और दुश्मन ताकतों को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस, सिर्फ दिखावे के लिए भी, सेना के शौर्य का अपमान करती है। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या एयर स्ट्राइक, हमने देखा है कि कांग्रेस ने हमेशा दुश्मन के एजेंडे की ही बात की है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इस ऑपरेशन को भारत की मजबूत सैन्य क्षमता और रणनीतिक संकल्प के तौर पर देखा गया।

पंजाब बनेगा खालिस्तान, केजरीवाल को ठोकेंगे

- कोर्ट से लेकर स्कूलों तक को उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर ब्लास्ट के ठीक पांच दिन बाद सोमवार को चंडीगढ़ और जालंधर के स्कूलों व सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। साथ ही चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी गांधी भवन में रात 9.11 बजे ग्रेनेड हमला होने की बात कही गई है। यह धमकी ईमेल से जरिए आई। इसके बाद प्रशासन और पुलिस हरकत में आई और सभी जगह सर्च ऑपरेशन चलाया गया। खास बात है कि धमकियों के साथ खालिस्तान संबंधी

मैसेज भी लिखे गए हैं। स्कूलों में बम स्क्वॉयड और डॉग स्क्वॉयड के साथ तलाशी ली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल के स्रोत का पता लगाया जा रहा है और साइबर सेल भी जांच कर रहा है। वहीं, फिरोजपुर कोर्ट काम्प्लेक्स को एक फिर बम से उठाने की धमकी मिली है। दोपहर दो बजे तक कामकाज बंद कर दिया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कोर्ट खाली करवाई और छानबीन शुरू कर दी है। कहीं से भी जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

अपने बच्चे बचाओ, धमाका होगा

सोमवार सुबह करीब 8 बजे ई-मेल के जरिए जालंधर के डीपीएस स्कूल, मेयर वर्ल्ड स्कूल और एमजीएन स्कूल को निशाना बनाते हुए धमकी भरा संदेश भेजा गया। ई-मेल में लिखा गया कि अपने बच्चों को बचाओ। पंजाब अब खालिस्तान बनेगा। बम और ग्रेनेड से हमला होगा, स्कूलों में 1.11 बजे और 2.11 बजे मेयर ऑफिस में बम फटेगा। वहीं, चंडीगढ़ में सेक्टर-41, सेक्टर-32, सेक्टर-47 और सेक्टर-45 स्थित स्कूलों को यह धमकी भरी ईमेल मिली। इस में लिखा गया है कि चंडीगढ़ बनेगा खालिस्तान। देह सिवा बर मोहे शुरू करो और जन-गण-मन बंद करो। स्कूलों में 1.11 बजे बम धमका होगा। मेयर ऑफिस में 2.11 बजे धमाका और सेक्रेटेरिएट में दोपहर 3.11 बजे होगा।

पंजाब-हरियाणा के सीएम, डीजीपी को भी उड़ाने की धमकी

ईमेल में पंजाब के सीएम भगवंत मान, डीजीपी गौरव यादव, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके अलावा फिरोजपुर में कोर्ट कांप्लेक्स और अमृतसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्टेच्यू को भी खत्म करने की धमकी है। बम या ग्रेनेड हमले में सीएम भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को भी ठोकेंगे। अमृतसर में डॉ. अंबेडकर के स्टेच्यू को 14 अप्रैल को बम धमाके से खत्म करेंगे। ईमेल में लिखा है कि खालिस्तान वाले बच्चों के खिलाफ नहीं, हिंदुस्तान मोदी सरकार को तबाह करेंगे। खालिस्तान वोटों से या बम से। चंडीगढ़ वालो, यहां बम धमाके-ग्रेनेड हमले चलते रहेंगे, यूनिवर्सिटी गांधी भवन में आज रात 9.11 बजे ग्रेनेड हमला होगा।

अबकी एमपी में दो फेज में होगी गेंहू की खरीदी

- इस बार केंद्र सरकार की एमएसपी से ज्यादा मिलेगा पैसा

किसानों को फायदा,40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस मिलेगा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। रबी सीजन में गेहूं की खरीदी के लिए सरकार ने तारीखों की घोषणा कर दी है। गेहूं की सरकारी खरीदी को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए गए हैं। इस बार प्रदेश में गेहूं की खरीदी दो चरणों में शुरू होगी। पहले चरण में चार संभागों में खरीदी होगी उसके बाद दूसरे चरण में बाकी संभाग में खरीदी की जाएगी। 9 अप्रैल 2026 से इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभागों में गेहूं की खरीदी की जाएगी।

- **दो चरणों में खरीदी का फैसला क्यों-** जिन संभागों में गेहूं की फसल की जल्दी आवक होती हैं वहां जल्दी खरीदी होगी। उपज के जल्दी आवक वाले इलाकों में पहले खरीदी शुरू करने का फैसला किया गया। दो-फेज में खरीदी करने से लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन मैनेज करने में आसानी होगी। किसानों को गेहूं खरीदी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। किसी भी सेंटर पर अचानक भीड़ बढ़ने से रोकने के लिए।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के 6 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट, आंधी के साथ ओले गिरने की भी संभावना

पटना। बिहार में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को राज्य के 6 जिलों में बारिश और आंधी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में अगले 24 घंटे के दौरान तेज हवा, गरज-चमक के साथ बारिश और कहीं-कहीं ओला गिरने की भी संभावना जताई गई है। वहीं, इन 6 जिलों को छोड़कर बिहार के बाकी हिस्सों में मौसम सामान्य बना रहेगा। अधिकांश जिलों में आसमान साफ रहेगा, तेज धूप निकलेगी और तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। दिन के समय गर्मी का असर अधिक महसूस होगा, जिससे लोगों को उमस और तपिश का सामना करना पड़ सकता है। खासकर

दोपहर के समय गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर सकती हैं। वहीं रविवार रात खगड़िया और शेखपुरा में बारिश हुई, जबकि नालंदा में काले बादल छाए। अगले 3 दिनों तक पारा 38-40 डिग्री के नीचे रहने के आसार हैं। पश्चिम बंगाल से तेलंगाना तक फैली ट्रफ लाइन के कारण बिहार में नमी आ रही है। अगले 3 दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आएगी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 से 5 दिनों तक बिहार में मौसम का यही मिलाजुला रूप देखने को मिलेगा। कुछ जिलों में आंशिक बादल, हल्की बारिश और तेज हवा चल सकती है, जबकि बाकी क्षेत्रों में गर्मी का असर लगातार बढ़ेगा। तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर जा सकता है। हालांकि, बीच-बीच में होने वाली बारिश और आंधी से थोड़ी राहत जरूर मिलेगी, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक टिकने वाली नहीं होगी।

जलती चिता से महिला की लाश उठा ले गई पुलिस, परिजन बोले- सुसराल वालों ने पहले पेट्रोल डालकर जलाया

हाजीपुर। वैशाली में एक महिला की लाश जलती चिता बुझाकर पुलिस ले गई। मृत महिला के घर वालों का आरोप है कि उनकी बेटी को ससुराल वालों ने पहले जिंदा जलाने की कोशिश की गई। वो बच गई तो अस्पताल में जहर का इंजेक्शन दिलवाकर मार दिया गया। फिर गंडक नदी के किनारे आनन-फानन में उसका अंतिम संस्कार किया जा रहा था, तभी मायके वाले पुलिस को लेकर पहुंच गए। पुलिस ने जलती चिता को कब्जे में लिया, लेकिन सिर्फ हड्डियां बचीं थीं। मृतका की पहचान खुशबू कुमारी (20) के रूप में हुई है। घटना लालगंज थाना क्षेत्र के पिरापुर गांव की है। मायके वालों ने पति, सास-ससुर,

देवर समेत 7 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने ससुर को श्मशान घाट से ही गिरफ्तार कर लिया है। खुशबू की शादी करीब दो साल पहले हिंदू रीति-रिवाज से पिरापुर के रवि कुमार से हुई थी। खुशबू के भाई रोशन कुमार ने बताया कि शादी के शुरुआती समय में सब कुछ सामान्य था, लेकिन कुछ समय बाद ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसे जान से मारने और शव गायब करने की धमकी दी जाती थी। मृतका के भाई और मां ने आरोप लगाया कि 19 मार्च को दहेज के लिए बेटी के साथ मारपीट की, फिर बाइक से पेट्रोल निकालकर खुशबू के ऊपर डाल दिया। इसके बाद आग लगा दी। वारदात के बाद ससुराल पक्ष ने घटना को छिपाने के लिए उसे हाजीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। खूशबू के भाई का आरोप है, 'ससुराल वालों ने इलाज के दौरान जहर का इंजेक्शन दिलवाकर मेरी बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद बिना मायके वालों को सूचना दिए गंडक नदी के किनारे शव का अंतिम संस्कार शुरू कर दिया गया। हमलोगों को खबर मिली तो हमने इसकी सूचना पुलिस को दी। जैसे ही हमलोग पहुंचे ही ससुरालवाले अधजला शव छोड़कर फरार हो गए।'

चोरी के शक में 2 युवकों को करंट देकर पीटा, वैशाली के मुर्गी फार्म-भट्टे पर पिटाई

हाजीपुर। वैशाली के बिदूपुर थाना क्षेत्र के चकसिकंदर कल्याणपुर में चोरी के आरोप में दो युवकों को घर से उठाकर बेरहमी से पीटा गया। पीड़ितों को बंधक बनाकर मुर्गी फार्म और चिमनी भट्ठे पर ले जाकर मारपीट की गई, साथ ही उन्हें करंट भी लगाया गया। पुलिस ने एक बार उन्हें बचाया था, लेकिन बाद में आरोपियों ने फिर पकड़कर यातना दी। घायल विपिन कुमार की मां मुन्नी देवी ने बताया कि उनका बेटा गेहूं का बोझा लेकर घर आया ही था कि लाल बहादुर के बेटे सोनू ने उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाना शुरू कर दिया। जब मुन्नी देवी ने विरोध किया तो उन्हें भी साथ चलने को कहा गया। वहां करीब दो हजार लोग मौजूद थे,

जिन्होंने विपिन पर चोरी का आरोप लगाया। मुन्नी देवी ने अपने बेटे को निर्दोष बताया, लेकिन सोनू की मां ने उनके साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की। इसके बाद विपिन के साथ मारपीट शुरू हो गई। उसे पहले मुर्गी फार्म ले जाया गया और फिर चिमनी भट्ठे पर ले जाकर पीटा गया। विपिन कुमार ने बताया कि चंदन कुमार और सोनू कुमार ने उसे जबरन घर से उठाया और बिना किसी कसूर के बेरहमी से पीटा। दूसरे घायल इंद्रजीत कुमार ने बताया कि सुबह जब वह उठे तो राजेश कुमार और सोनू कुमार उन्हें किसी काम के बहाने घर से ले गए। इंद्रजीत को इस बात का अंदाजा नहीं था कि वे उसे ले जाकर मारपीट करेंगे। कुछ आरोपी उनके रिश्तेदार थे और कुछ पड़ोसी व परिवार के सदस्य। उसे ले जाते ही मारपीट शुरू कर दी गई। जब स्थानीय लोग जमा होने लगे, तो राजेश कुमार और सोनू कुमार ने उसे बोलेरो में बंद कर पानी टंकी के पास ले गए। वहां लाठी-डंडों से उसकी पिटाई की गई। पानी टंकी के पास खेत में गेहूं काट रहे लोगों ने घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जिसके बाद आरोपी उसे मुर्गी फार्म के पास ले गए। खेत में काम कर रहे लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इंद्रजीत को बचाया। पुलिस ने इंद्रजीत का बयान लेने के बाद उसे घर जाने दिया। हालांकि, इसके बाद आरोपियों ने उसे फिर से पकड़ लिया और करंट लगाकर बेरहमी से पीटा।

पटना यूनिवर्सिटी में एंट्रेंस एक्जाम के आधार पर मिलेगा एडमिशन, पीयू एकेडमिक काउंसिल की बैठक

पटना। पटना यूनिवर्सिटी में इस बार नए सत्र के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में एडमिशन एंट्रेंस एक्जाम के आधार पर होगा। आज यूनिवर्सिटी में एकेडमिक काउंसिल की बैठक है, जिसमें अंतिम मुहर लगेगी। बिहार बोर्ड ने 12वीं परीक्षा रिजल्ट जारी कर दिया है। सीबीएसई बोर्ड भी जल्द ही 12वीं का परिणाम घोषित करेगा। इसके देखते हुए यूनिवर्सिटी प्रशासन 15 अप्रैल के बाद यूजी लेवल के सामान्य और वोकेशनल सहित सभी पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया शुरू कर सकता है। पीयू ने एंट्रेंस एक्जाम शुरू करने के लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने राजभवन से अनुमति मांगी थी, जिस पर सहमति मिल गई है। इस बार नामांकन समर्थ पोर्टल के माध्यम से होगा। विद्यार्थी समर्थ पोर्टल पर ही ऑनलाइन आवेदन करेंगे और ऑनलाइन ही शुल्क जमा करेंगे। समर्थ पोर्टल पर ही कॉलेज का विकल्प भरेंगे। पटना यूनिवर्सिटी में अब तक यूजी में नामांकन अंक के आधार पर हुआ करता था। 2019 से पहले यूजी में नामांकन प्रवेश परीक्षा ली जाती थी। कोरोना काल के बाद में प्रवेश परीक्षा बंद कर दी गई थी। वहीं, पीजी के सामान्य कोर्स में अंक और वोकेशनल कोर्स में प्रवेश परीक्षा के आधार पर नामांकन लिया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया जून के अंतिम सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। जुलाई के प्रथम सप्ताह में नए सत्र की पढ़ाई प्रारंभ हो जाएगी। विश्वविद्यालय के डीएसडबल्यू प्रो. कामेश्वर पंडित ने बताया कि, 'सोमवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में नामांकन प्रक्रिया पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। नामांकन कैलेंडर तैयार कर लिया गया है।'

गोपालपुर में दो बीघा जमीन को लेकर गोलीबारी, एक के जांघ में फंसी गोली

एजेंसी, पटना

❐ दूसरे के पेट को छूकर निकली, इलाज जारी

पटना के गोपालपुर में बादशाही पइन के पास जमीन विवाद को लेकर दो गुटों के बीच गोलीबारी हुई। इस घटना में दो लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें पहले एक निजी नर्सिंग होम में में एडमिट कराया गया। अशके बाद गोनों को NMCH रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने करीब 15 राउंड गोली चलाई है। दोनों घायलों में से एक के पेट और दूसरे के जंघा में गोली लगी है। गोलीबारी के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने मौके पर सबूत जुटाने के लिए FSL टीम को भी बुलाया है, जो घटनास्थल पर छानबीन कर रही है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, दोनों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है, लेकिन डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

2 दिन पहले भी पहले भी हुई थी मारपीटः स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच दो दिन पहले भी विवाद हुआ था, जिसमें हल्की मारपीट की घटना सामने आई थी। हालांकि, उस समय मामला शांत हो गया था। इसी तनाव के बीच सोमवार को बादशाही पइन के पास दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। यहां शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले दोनों ओर से लाठी-डंडे चले, जिसके बाद अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत दोनों घायलों को इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे।

घायल ओमप्रकाश ने बताया कि, हम सोमवार को अपना खेत देखने गए थे। खेत से वापस लौटते समय 100 गज की दूरी पर एक स्कॉर्पियो गाड़ी रुकी। तीन लोग निकले और ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। इसी दो बीघा जमीन को लेकर ओमप्रकाश और जितेंद्र कुमार के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही थी। ओम प्रकाश यादव के अनुसार, यह मेरी पुश्तैनी जमीन है। हम 9 साल के थे, तब से वह दो बीघा जमीन दादा जी खरीद कर रखे हैं। लेकिन वह लोग जबरन इस जमीन पर कब्जा करना चाह रहे थे।'

एक के जंघा में लगी गोली, दूसरे के पेट छूकर निकलीः घटना की पुष्टि करते हुए सदर डीएसपी 2 रंजन कुमार ने बताया कि, 'पूरा मामला गोपालपुर थाना क्षेत्र में दो बीघा जमीन विवाद से जुड़ा है, जिसको लेकर 2 दिन पहले दोनों पक्षों में लड़ाई हुई थी। उसमें प्राथमिक भी दर्ज की गई थी। इसी जमीन को लेकर आज सुबह एक पक्ष पर फायरिंग की गई।'

सदर डीएसपी 2 रंजन कुमार ने बताया कि, 'दूसरा पक्ष उदयसिंह नामक बताया जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए हम तुरंत कार्रवाई कर रहे हैं। हमने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया है। एफएसएल की टीम अपनी कार्रवाई कर रही है। मौके से पुलिस ने कुछ अहम सुराग भी बरामद किए हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरा का हम लोग अनुसंधान कर रहे हैं।' फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के बयान दर्ज करने की तैयारी में है। मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की जा रही है।

गैस कालाबाजारीः पटना में 22 केस दर्ज

एजेंसी, पटना

♦ 6 दिन में 163412 ग्राहकों ने बुक किए सिलेंडर, राजधानी में औसतन 35000 सिलेंडर की जरूरत

गैस की कालाबाजारी को रोकने के लिए जिला प्रशासन की ओर से टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टीम में नगर पालिका चिकित्सा विद्युत परिवहन कृषि और पुलिस विभाग के पदाधिकारी को शामिल किया गया है। आइओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल मिलकर यहां पर 136 वितरक है। इसमें आइओसीएल के 73 बीपीसीएल के 40 एचपीसीएल के 23 शामिल है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी रविंद्र कुमार दिवाकर ने बताया कि ऑस्टिन पटना जिले में 35000 सिलेंडर की आवश्यकता है। जिसकी पूर्ति हो रही है। पिछले 6 दिनों में 1634412 बुकिंग आई है। लोगों से अपील है कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। पर्याप्त गैस सिलेंडर है। कल तक 3352 शिकायत मिली है। सभी शिकायतों पर कार्यवाही की जा रही है। किसी तरह की परेशानी आती है तो 0612 2219 810 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

एजेंसी के हेल्पलाइन नंबरः आइओसीएल 1800 2333 555, HPCL 912222863900, बीपीसीएल 912222713000 पर भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। 6 अप्रैल को कालाबाजारी के खिलाफ छह गैस एजेंसी 10 होटल रेस्टोरेंट छापेमारी की गई जिसमें दो के खिलाफ केस रजिस्टर्ड किया गया है। सदर अनुमंडल के एस के पुरी थाना क्षेत्र में भी छापेमारी हुई थी। इस मामले में 8 डोमेस्टिक और 1 कमर्शियल सिलेंडर मिले थे। जिसमें FIR करके आरोपी को अरेस्ट किया गया है।

कालाबाजारी के खिलाफ 22 केस दर्ज किए हैंः बिचौलिए, वेंडर, दुकान में जमाखोरी, रिफिलिंग, करने वाले लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। पुलिस ने अब तक कालाबाजारी के खिलाफ 22 केस दर्ज किए हैं। इसमें बाढ़ अनुमंडल में 6, दानापुर अनुमंडल में 5, मसौढ़ी अनुमंडल में एक, पटना सिटी अनुमंडल में 3, पटना सदर में 7 मामले दर्ज हैं।

पटना- सरकारी अस्पताल की प्रतिबंधित दवा, इंजेक्शन जब्त

❐ 15 लाख रुपए की है दवाएं, एक गिरफ्तार, ड्रग विभाग ने गोदाम में की कार्रवाई

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र के भगतनगर स्थित एक गोदाम से ड्रग विभाग ने भारी मात्रा में सरकारी अस्पताल की दवाएं बरामद की हैं। इस छापेमारी में 15 लाख रुपये से अधिक मूल्य की दवाएं जब्त की गईं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से नशे के कई इंजेक्शन भी बरामद किए हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है।

जब्त की गई दवाओं की संख्या बढ़ सकती हैः पटना ड्रग विभाग के सहायक ड्रग कंट्रोलर चुनेन्द्र महतो ने बताया कि यह कार्रवाई एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जब्त की गई दवाओं की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। विभाग अब इस बात की गहन जांच कर रहा है कि ये सरकारी दवाएं किस अस्पताल से बेची गई थीं और इस रैकेट में कौन-कौन शामिल हैं।

सीएम के प्रोग्राम में हंगामा करने वाले 2 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

❐ पटना यूनिवर्सिटी कैंपस में पुलिस से हाथापाई का आरोप, प्रेसिडेंट शांतनु फरार बताए जा रहे

पटना में 30 मार्च 2026 को नए प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन(कला संकाय) के उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना यूनिवर्सिटी के कैंपस में पहुंचे थे। इसी दौरान पीयू कैंपस के अंदर छात्रों ने उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री के विरोध में नारेबाजी की थी। पुलिस का आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने पुलिस के काम में बाधा डाला। पुलिस कर्मियों के साथ बदतमीजी की और हाथापाई हुई। इस दौरान गो बैक के नारे भी लगाए गए। इस मामले में पटना पुलिस ने अनुराग कुमार को नौबतपुर और वर्तमान काउंसलर मोहम्मद एहसानुल्लाह (इकबाल छात्रावास) अशोक राजपथ से अरेस्ट किया गया है। पुलिस की पूछताछ में अनुराग ने खुद को पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष बताया है।

6 नामजद समेत 30 अज्ञात पर केस दर्जः पटना यूनिवर्सिटी के वर्तमान छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर समेत 6 छात्रों को नामजद आरोपी बनाया गया था। इनके अलावा 30 अज्ञात छात्रों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक, शांतनु शेखर फरार चल रहे हैं। पिरबहोर के थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, 'अभी 2 लोगों को अरेस्ट करके न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इनके अलावा अन्य दूसरे लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। सभी आरोपी फरार चल रहे हैं।'

आमंत्रण नहीं मिलने से नाराज थे छात्रः प्राथमिक की प्रखंड पंचायत राज्य पदाधिकारी वीरेंद्र चौधरी की ओर से दर्ज कराई गई थी। आवेदन के मुताबिक, कार्यक्रम स्थल पर लगभग 2:30 बजे ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान 15 से 20 की संख्या में वहां पर छात्र पहुंचे। हल्ला हंगामा करने के साथ विधि व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया। छात्रों को उन्होंने रोकने का प्रयास किया गया तो छात्र कहने लगे पटना यूनिवर्सिटी के छात्र हैं। उन्हें और कुलपति को नए भवन के उद्घाटन में आमंत्रण पत्र नहीं मिला है। साथ ही शीलापट पर कुलपति का नाम अंकित नहीं है। इसी बात को लेकर उग्र थे। आरोप है कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में विधि व्यवस्था भंग किया गया। मजिस्ट्रेट के साथ बदतमीजी की गई। जिसमें पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई।

खगौल में 22 करोड़ का सोना लूटकांड, एम्स-नौबतपुर रोड पर मिला खाली बैग

एजेंसी, पटना

♦ चच जीपीएस एंगल पर जांच, कई टीमों की छापेमारी जारी

पटना के खगौल थाना क्षेत्र में गुजरात के व्यापारी से लूटे गए करीब 15 किलो सोने के मामले में पुलिस को अहम सुराग मिला है। रविवार देर रात एम्स-नौबतपुर मार्ग से दो खाली बैग बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इन्हीं बैगों में करीब 14 किलो 954 ग्राम सोने के जेवर रखे गए थे, जिन्हें बदमाशों ने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर लूट लिया था। बरामद बैग नीले और लाल रंग के हैं। मौके पर फोरेंसिक साइंस लैब की टीम पहुंची और बैगों की जांच शुरू की। फिंगरप्रिंट के जरिए अपराधियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

GPS लगे होने के शक पर बैग फेंकाः पुलिस का मानना है कि अपराधियों ने साक्ष्य मिटाने के लिए लूट में इस्तेमाल गाड़ियों को भी रास्ते में छोड़ दिया। वहीं, सोना ले जाने वाले बैग को एम्स-नौबतपुर रोड किनारे फेंक दिया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि बैग में GPS डिवाइस लगा हो सकता था। आशंका है कि अपराधियों को इसकी जानकारी थी, इसलिए उन्होंने बैग फेंक दिया ताकि उनकी लोकेशन ट्रैक न हो सके।

इनसाइडर की भूमिका पर सवालः जांच का सबसे बड़ा सवाल यह है कि गुजरात के राजकोट से आए व्यापारियों की हर गतिविधि की जानकारी अपराधियों को कैसे मिल रही थी। दानापुर स्टेशन पर उतरते ही उनकी पहचान किसने कराई, इस 'इनसाइडर' की तलाश भी तेज कर दी गई है।

कई टीमों की छापेमारी जारीः पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कर बिहार और अन्य राज्यों में ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस की नजर बेउर जेल में बंद कुख्यात अपराधियों पर भी है, जो पहले भी बड़ी लूट की वारदातों में शामिल रहे हैं। खगौल थाना प्रभारी रंजन कुमार ने बताया कि, 'अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास जारी हैं और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।'

डीएसपी गौतम कुमार से ईओयू की पूछताछ, दफ्तर में घंटे भर से सवाल-जवाब जारी

आय से अधिक संपत्ति का है मामला

एजेंसी, पटना

बिहार में चर्चित भ्रष्टाचार मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने डीएसपी गौतम कुमार को पूछताछ के लिए तलब किया है। सोमवार को गौतम कुमार पटना स्थित EOU कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे गहन पूछताछ जारी है।

आय से अधिक संपत्ति पर सवालः सूत्रों के अनुसार, EOU की टीम डीएसपी से आय से अधिक संपत्ति और संदिग्ध लेन-देन को लेकर सवाल कर रही है। जांच अधिकारी उनके बैंक खातों, संपत्ति के कागजात और हाल के वित्तीय ट्रांजैक्शन की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

EOU से बड़े खुलासे की उम्मीदः EOU के सूत्रों का कहना है कि पूछताछ पूरी होने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। इस हाई-प्रोफाइल मामले में सभी की निगाहें EOU की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं, जिससे बड़े खुलासे की उम्मीद है।

पहले हो चुकी है बड़ी छापेमारीः इससे पहले 30 मार्च 2026 को EOU ने एक साथ छह ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई पटना, किशनगंज और पूर्णिया समेत कई स्थानों पर की गई थी। छापेमारी के दौरान टीम को अहम दस्तावेज और साक्ष्य हाथ लगे थे, जिनके आधार पर अब पूछताछ की जा रही है।

पटना में लगेगी 25 हजार नई स्मार्ट स्ट्रीट लाइट

एजेंसी, पटना

पटना की सड़कें अब अत्याधुनिक तकनीक के स्ट्रीट लाइट से लैस होगी। पटना नगर निगम क्षेत्र में लगभग 25 हजार नई इंटरनेट आफ थिंग्स (IoT) तकनीक से लैस स्मार्ट स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएगी। ये स्मार्ट लाइटें सेंसर के जरिए खुद शाम होते ही जलेंगी और सुबह बंद हो जाएंगी। इससे बिजली की खपत में कमी आएगी और एनर्जी एफिशिएंसी में भी सुधार होगा। इस पूरे नेटवर्क की निगरानी एक सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम से की जाएगी, जिससे किसी भी खराबी का तुरंत पता लगाकर समय पर मरम्मत सुनिश्चित की जा सके।

इन सभी स्ट्रीट लाइटों के मेंटेनेंस, आटोमेशन और सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम की स्थापना के लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। नगर निगम के सशक्त स्थायी समिति की बैठक में इसपर फैसला लिया गया था। इसी के मद्देनजर एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (EESL) द्वारा 30 अप्रैल तक ही नगर निगम क्षेत्र में लगी सभी स्ट्रीट लाइटों का मेंटेनेंस का काम किया जाएगा। अभी फिलहाल निगम क्षेत्र में करीब 82 हजार स्ट्रीट लाइटें लगी हैं, जिनकी क्षमता 35 वाट से 140 वाट तक है। नई व्यवस्था के तहत शहर में पहले स्थापित 82 हजार स्ट्रीट लाइटों को IOT तकनीक से अपग्रेड किया जाएगा।

बिहार को मिलेगा एक करोड़ रोजगार

दिलीप जायसवाल बोले- इस दिशा में काम चल रहा, उद्योग में 50 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

एजेंसी, पटना

पटना में मंत्री दिलीप जायसवाल ने 2025-26 की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि बिहार सरकार का लक्ष्य राज्य को औद्योगिक रूप से मजबूत बनाना और युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार देना है। उन्होंने बताया, विधानसभा चुनाव के दौरान एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था, जिसे पूरा करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

औद्योगिक विकास को मिली रफ्तारः मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में औद्योगिक विकास निरंतर गति पकड़ रहा है। निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। राज्य में बड़े स्तर पर उद्योग लगाने का माहौल तैयार हुआ है। सरकार का विजन समृद्ध उद्योग, सशक्त बिहार है, जिसके तहत 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर पर फोकसः उद्योगों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और बिजली सबसे जरूरी है। इस दिशा में सरकार एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयर कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक नेटवर्क को मजबूत कर रही है। बक्सर में 2400 मेगावाट का पावर प्लांट और औरंगाबाद में NTPC परियोजना से उद्योगों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध होगी।

बड़े निवेश और कंपनियों की एंट्रीः हाल ही में बक्सर में कोका-कोला और जेके सुपर सीमेंट की फैक्ट्री का उद्घाटन हुआ है। इसके अलावा रिलायंस, अदाणी, मदर डेयरी, आदित्य बिड़ला और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी बड़ी कंपनियां भी बिहार में निवेश के लिए आगे आ रही हैं। 2026 में 747 निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनकी कुल राशि 17,217 करोड़ रुपये से अधिक है।

MSME और उद्यमियों को बढ़ावाः सरकार ने MSME निदेशालय का गठन किया है, ताकि छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा मिल सके। साथ ही बिहार राज्य विपणन प्राधिकरण" बनाया गया है, जिससे ग्रामीण और कुटीर उद्योगों के उत्पाद को वैश्विक बाजार मिल सके।

नई नीतियां और सुधारः बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2025 और सेमीकंडक्टर नीति 2026 लागू की गई है। इसका उद्देश्य बिहार को पूर्वी भारत का औद्योगिक हब बनाना है। साथ ही 'जन विश्वास अधिनियम' के तहत व्यापारियों को कानूनी राहत दी गई है।

रोजगार और नई परियोजनाएंः राज्य में इलेक्ट्रॉनिक सिटी, औद्योगिक पार्क और महिला छात्रावास जैसी योजनाएं शुरू हो रही हैं। 404 एकड़ भूमि आवंटन से 5500 करोड़ निवेश और 22,500 रोजगार की संभावना बनी है। इसके अलावा 24 जिलों में 13,345 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। मंत्री ने कहा कि बिहार अब तेजी से औद्योगिक विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह देश का प्रमुख निवेश केंद्र बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

शराब कारोबारियों पर पुलिस का शिकंजा, कई थाना क्षेत्रों में ताबड़तोड़ छापेमारी

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने अभियान और तेज कर दिया है। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की गई ताबड़तोड़ छापेमारी में भारी मात्रा में देसी, नेपाली और अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। इस दौरान कई अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ संबंधित थानों में कांड दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नकरदेई थाना क्षेत्र के भवानीपुर मोजे में छापेमारी के दौरान 25.5 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस इस मामले में शराब के नेटवर्क और सप्लाई चेन की भी जांच में जुट गई है। वहीं कुंडवाचैनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 241 बोतल नेपाली शराब, कुल 80.3 लीटर बरामद की है। इस बरामदगी को सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय शराब तस्करों के नेटवर्क पर बड़ी चोट माना जा रहा है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 31 लीटर देसी शराब के साथ चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा संग्रामपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर में हुई छापेमारी में 15.390 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ दो अभियुक्त दबोचे गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में शराब कारोबारियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी और तेज किया जाएगा। लगातार हो रही छापेमारी से अवैध शराब के धंधेबाजों में हड़कंप मचा है, जबकि पुलिस इसे शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने की बड़ी कार्रवाई मान रही है।

शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, डुमरियाघाट-ढाका में 580 लीटर से अधिक खेप जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज है। इसी कड़ी में डुमरियाघाट और ढाका थाना क्षेत्र में की गई दो बड़ी कार्रवाइयों में पुलिस ने 580 लीटर से अधिक शराब बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के पहल चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान एक कार से 326.70 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई। मौके से हरियाणा के सोनीपत निवासी दिनेश, पिता प्रताप सिंह, को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 109/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, ढाका थाना क्षेत्र के ग्राम चैनपुर में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक टेंपू से 253.3 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। हालांकि इस मामले में किसी गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। पुलिस फरार तस्करों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

चंपारण में 52 उर्वरक दुकानों पर छापेमारी, छह पर एफआईआर और लाइसेंस रद्द

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण के निर्देश पर जिले के सीमावर्ती और अन्य प्रखंडों में उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। खरीफ 2026 सीजन को देखते हुए चलाए गए विशेष अभियान में कुल 52 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर संघन जांच की गई। जांच के दौरान दुकानों की पॉस मशीन में दर्ज स्टॉक और गोदाम में भौतिक रूप से उपलब्ध उर्वरक का मिलान किया गया। इस दौरान छह प्रतिष्ठानों में अनियमित उर्वरक व्यापार पकड़ा गया, जिसके खिलाफ संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एफआईआर दर्ज होने वाले प्रतिष्ठानों में आदापुर प्रखंड का विजय खाद भंडार (प्रो. सर्वेश कुमार), घोड़ासहन के ओम साईं कृषि सेवा केंद्र, चम्पापुर कोईरिया, विकास खाद बीज भंडार, चम्पापुर कोईरिया, छौड़ादानों का सिद्धि खाद भंडार (प्रो. गुड्डू कुमार), जय माता दी ट्रेडर्स, धरहरी शामिल हैं। वहीं बनकटवा प्रखंड में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए सभी प्रतिष्ठानों की अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) रद्द कर दी गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है और सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार छापेमारी जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्वरक की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी परिस्थिति में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

लू और अगलगी से निपटने को मोतिहारी में अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक, सभी विभाग अलर्ट

बीएनएम @मोतिहारी। बिहार मौसम सेवा केंद्र, पटना और भारत सरकार के मौसम विभाग द्वारा अप्रैल महीने में भीषण गर्मी और लू को लेकर जारी अलर्ट के मद्देनजर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में जिलाधिकारी के निर्देश पर डॉ. राधाकृष्णन सभागार में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लू और अगलगी की घटनाओं से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सदर अस्पताल और अनुमंडलीय अस्पतालों में कूलिंग रूम तथा विशेष बेड की व्यवस्था की गई है, ताकि लू से प्रभावित लोगों को तत्काल उपचार मिल सके। अपर समाहर्ता ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में ORS और जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वहीं पीएचईडी विभाग ने जानकारी दी कि खराब चापाकलों की मरम्मत के लिए धावादल गठित किया गया है और 50 नए चापाकलों की स्थापना के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। जिले में भूजल स्तर की नियमित समीक्षा की जा रही है। सभी नगर निकायों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में प्याऊ की व्यवस्था करने तथा आश्रय स्थलों पर पेयजल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। हाल के दिनों में जिले में अगलगी की घटनाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए जिला अग्निशमन पदाधिकारी को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए पूरी तत्परता बरतने को कहा गया। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार आगलगी से प्रभावित परिवारों को 24 घंटे के भीतर 12 हजार रुपये की सहायता राशि, वस्त्र-बर्तन और गृह क्षति का भुगतान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए सभी अंचल अधिकारियों और अनुमंडल पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, दैनिक मजदूरों और पशुधन को लू तथा आग से बचाने के उपायों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस मौके पर नगर आयुक्त आशीष कुमार, सदर एसडीओ निशांत सिहारा, अरेराज एसडीओ अंजली शर्मा, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन 'नया सवेरा 2.0' में 16 नाबालिग लड़कियां रेस्क्यू, 6 ऑर्केस्ट्रा संचालक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने मानव तस्करी, बाल श्रम और ऑर्केस्ट्रा के नाम पर नाबालिग लड़कियों के शोषण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन "नया सवेरा 2.0" के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से 16 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया है। इस दौरान 6 आरोपित ऑर्केस्ट्रा संचालकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक जिले में समकालीन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 05 अप्रैल को विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की गई। अभियान का उद्देश्य मानव व्यापार, बाल श्रम, रेड लाइट एरिया और ऑर्केस्ट्रा ग्रुप से पीड़ित लड़कियों की मुक्ति, पुनर्वास और पुनर्स्थापना है। अभियान के दौरान ढाका थाना क्षेत्र से 2, पचपकड़ी थाना क्षेत्र से 2 और पताही थाना क्षेत्र से 12 नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित मुक्त कराया गया। इस तरह कुल 16 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया गया। कार्रवाई के दौरान प्रेम कुमार, विवेक कुमार, नवीन साह, राजू तिवारी, मुन्नू खान और राजू कुमार को गिरफ्तार किया गया। सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छापेमारी दल में ये अधिकारी रहे शामिल-इस विशेष अभियान में नवजीव फाउंडेशन, नई दिल्ली के निदेशक बी. पी. सिंह, रेस्क्यू फाउंडेशन के जांच अधिकारी अखिलेश कुमार, खुशबू कुमारी (चाइल्ड हेल्पलाइन), सत्येंद्र कुमार, अमित कुमार, सुनील कुमार (श्रम नियोजन केंद्र), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल चंदन पुजारी, एएचटीयू मोतिहारी के प्रभारी सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा, ढाका थानाध्यक्ष राजेश राय, पताही थानाध्यक्ष बबलू कुमार, पचपकड़ी थानाध्यक्ष पूजा कुमारी, महिला थानाध्यक्ष मोना कुमारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल रहा। पुलिस ने बताया कि मानव तस्करी और नाबालिग लड़कियों के शोषण के खिलाफ यह अभियान पूरे अप्रैल महीने जारी रहेगा। रेस्क्यू की गई लड़कियों के पुनर्वास, काउंसलिंग और पुनर्स्थापना की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

मोतिहारी खेल भवन में ताइक्वांडो एकलव्य केंद्र के लिए चयन ट्रायल, 40 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। खेल भवन, पूर्वी चंपारण में सोमवार को ताइक्वांडो एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र के लिए 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका खिलाड़ियों का चयन ट्रायल आयोजित किया गया। ट्रायल में जिले भर से करीब 40 लड़के और लड़कियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन ट्रायल का सफल संचालन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा प्रतिनियुक्त प्रशिक्षकों की देखरेख में किया गया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चयनित प्रतिभागियों की सूची जिला खेल कार्यालय द्वारा बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना को भेजी जाएगी। जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को खेल विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा संचालित एकलव्य राज्य आवासीय ताइक्वांडो प्रशिक्षण केंद्र में पठन-पाठन, खेल प्रशिक्षण, भोजन और आवासन की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी प्रतिभाओं को बेहतर मंच देना है, ताकि खिलाड़ी आगे चलकर जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूर्वी चंपारण और बिहार का नाम रोशन कर सकें। इस मौके पर राजन कुमार, सर्वोत्तम रंजन, रमेश कुमार समेत कई खेलप्रेमी और अधिकारी मौजूद रहे

मोतिहारी में तीन थानों के थानाध्यक्ष बदले, सुनील कुमार को हरसिद्धि की कमान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस प्रशासन ने बेहतर पुलिसिंग और प्रशासनिक कसावट के उद्देश्य से जिले के तीन थानों में थानाध्यक्षों का फेरबदल किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, मोतिहारी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस उप-महानिरीक्षक, चंपारण क्षेत्र बेतिया से प्राप्त अनुमोदन के बाद यह पदस्थापन किया गया। जारी आदेश के तहत पुअनि सुनील कुमार (2014 बैच) को कुंडवाचैनपुर थाना से स्थानांतरित कर हरसिद्धि थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं पुअनि राहुल कुमार (2019 बैच) को हरपुर थाना से हटाकर कुंडवाचैनपुर थाना की कमान सौंपी गई है। इसी क्रम में पुअनि प्रियंका कुमारी (2019 बैच), जो अब तक बंजरिया थाना में अपर थानाध्यक्ष के पद पर कार्यरत थीं, को हरपुर थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पुलिस मुख्यालय, पटना के निर्धारित मानकों, रिक्त पदों और प्रशासनिक जरूरतों के आलोक में यह फेरबदल किया गया है। पुलिस महकमे में इस बदलाव को कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने तथा थानों की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। नई तैनाती के बाद संबंधित थाना क्षेत्रों में पुलिसिंग के और अधिक प्रभावी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

जहरीली शराब कांड के दो मास्टरमाइंड ने किया सरेंडर, पुलिस दबाव में कोर्ट में आत्मसमर्पण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के चर्चित जहरीली शराब कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लगातार दबिश और सख्त कार्रवाई के दबाव में कांड के दो मुख्य अभियुक्तों ने रविवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। कोर्ट में सरेंडर के बाद पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पिपराकोठी थाना कांड संख्या-166/26 (उत्पाद कांड) के आरोपी कन्हैया यादव, पिता नंदू राय, ग्राम सलेमपुर, थाना पिपराकोठी तथा तुरकौलिया थाना कांड संख्या-174/26 (उत्पाद कांड) के आरोपी सुनील साह, पिता राजवंशी साह, ग्राम शंकर सरैया, थाना तुरकौलिया ने 06 अप्रैल 2026 को माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। बताया गया है कि दोनों अभियुक्तों पर जहरीली शराब के नेटवर्क को संचालित करने और सप्लाई चेन से जुड़े होने के गंभीर आरोप हैं। पुलिस दबाव बढ़ने के बाद दोनों के पास कोर्ट में सरेंडर के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। पुलिस ने दोनों के आपराधिक इतिहास को भी खंगालना शुरू कर दिया है, जिसमें पूर्व के मामलों का रिकॉर्ड भी सामने आ रहा है। गौरतलब है कि इस सनसनीखेज कांड में पहले ही मुख्य साजिशकर्ता साजन यादव उर्फ खलीफा और नगीना यादव उर्फ नागा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। अब इन दोनों के सरेंडर से पुलिस को पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में और मदद मिलने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जहरीली शराब कांड की तह तक जाने के लिए छापेमारी, पूछताछ और सप्लाई नेटवर्क की जांच लगातार जारी है।

एलपीजी गैस की आपूर्ति सुचारू, 5 दिनों में 66 हजार से अधिक सिलेंडरों की डिलीवरी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य और सुचारू बनी हुई है। 05 अप्रैल 2026 तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न तेल कंपनियों में आईओसीएल, एचपीसीएल एवं बीपीसीएल के माध्यम से गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिले में कुल 115 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। 01 अप्रैल से 05 अप्रैल 2026 के बीच कुल 84,475 बुकिंग दर्ज की गई, जबकि 66,386 सिलेंडरों की डिलीवरी की जा चुकी है। बुकिंग के अनुरूप तेजी से आपूर्ति की जा रही है। 05 अप्रैल को एक दिन में 18,600 बुकिंग के मुकाबले 15,606 सिलेंडरों का वितरण किया गया। इसी दिन कंपनियों से 4,640 सिलेंडर प्राप्त हुए। वर्तमान में जिले में 26,113 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है, जबकि 92,237 सिलेंडरों की मांग लंबित है। सभी 115 वितरक सक्रिय रूप से होम डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचा रहे हैं, जिससे वितरण व्यवस्था और अधिक मजबूत बनी हुई है। हालांकि, होम डिलीवरी नहीं करने वाली तीन गैस एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से गैस बुकिंग न करें और केवल घरेलू उपयोग के लिए ही गैस का इस्तेमाल करें। कालाबाजारी या जमाखोरी की किसी भी सूचना के लिए जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06252-242418 पर संपर्क करने को कहा गया है।प्रशासन द्वारा स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वाणिज्य-कर अंचल ने रचा इतिहासः 377 करोड़ जीएसटी कलेक्शन के साथ तिरहुत प्रमंडल में प्रथम स्थान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में वाणिज्य-कर विभाग, मोतिहारी अंचल ने 377 करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है, जो विभाग की कार्यकुशलता एवं करदाताओं के सहयोग को दर्शाती है। राज्य-कर संयुक्त आयुक्त (प्रभारी) संतोष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मोतिहारी अंचल ने तिरहुत प्रमंडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट रेशन लाइजेशन के बावजूद इस स्तर की वृद्धि हासिल करना विभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, टैक्स कंसल्टेंट्स एवं करदाताओं के समन्वित प्रयास को दिया। साथ ही विभागीय पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, अनुशासन और निरंतर मेहनत को भी इस उपलब्धि का प्रमुख आधार बताया। कर संग्रह में वृद्धि हेतु विभाग द्वारा वर्षभर सघन अभियान चलाए गए, जिनमें व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण, सड़कों पर चलंत वाहनों की जांच, संदिग्ध लेन-देन की निगरानी तथा कर चोरी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई शामिल रही। इसके अतिरिक्त, करदाताओं के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर समय पर जीएसटी रिटर्न दाखिल करने एवं कर भुगतान सुनिश्चित कराया गया। विभाग द्वारा अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, टैक्स कंसल्टेंट्स एवं व्यापारिक संगठनों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की गईं, जिससे करदाताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सका और कर अनुपालन में सुधार आया। मुख्यालय से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रभावी कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई। संयुक्त आयुक्त ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे समाज की साझा सफलता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी मोतिहारी अंचल इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखेगा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि कर के रूप में प्राप्त राजस्व राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है, जिससे सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी ढांचे के विकास को गति मिलती है और आम नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होता है।

जहरीली शराब से बढ़ती मौतों पर राजद का हमला, प्रशासनिक लापरवाही पर उठाए सवाल

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल द्वारा गठित समिति, जिसका नेतृत्व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी कर रहे थे, ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद नगर के सर्किट हाउस में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पूर्वी चंपारण जिले के रघुनाथपुर एवं तुरकौलिया थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों के सेवन से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब तक 9 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों लोग जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।राजद नेताओं ने कहा कि वर्ष 2016 में बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद से लगभग 300 लोगों की मौत, 10 लाख मुकदमे दर्ज और 16 लाख लोग जेल जा चुके हैं। सरकार ने यह भी घोषणा की थी कि जिस थाना क्षेत्र में शराब से मौत होगी, वहां के थाना प्रभारी को निलंबित किया जाएगा। इस आधार पर संबंधित थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की गई। समिति ने पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने तथा अस्पताल में भर्ती लोगों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। राजद ने शराबबंदी को लेकर प्रदेश में व्याप्त भ्रांतियों और उसके दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने शराबबंदी की "पांच विनाशकारी उपलब्धियां" गिनाते हुए कहा कि इसके कारण अवैध जहरीली शराब का निर्माण, अंतरराज्यीय तस्करी, आपराधिक नेटवर्क का विस्तार, पुलिस-प्रशासन की संलिप्तता तथा समानांतर अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है, जिसने राज्य की सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। नेताओं ने यह भी कहा कि पूर्वी चंपारण में वर्ष 2023 के अप्रैल माह में भी इसी क्षेत्र में जहरीली शराब कांड हुआ था, लेकिन प्रशासन की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। मौके पर उदय नारायण चौधरी, बिन्नू यादव, मनोज कुमार यादव, डॉ. शमीम अहमद, राजेंद्र राम, शशि सिंह, लक्ष्मी नारायण यादव, नूर आलम खान, सुरेश सहनी, जावेद अहमद सहित कई अन्य नेता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दस लीटर स्प्रिट के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में 10 लीटर कच्चा स्प्रिट के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी लक्ष्मीपुर गदरिया निवासी बीरा यादव बताया गया है। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम लक्ष्मीपुर डायवर्सन के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस वाहन को देखते ही एक व्यक्ति गैलन लेकर भागने लगा। संदेह होने पर जवानों ने उसका पीछा किया और खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान गैलन में 10 लीटर स्प्रिट बरामद हुआ। इसके बाद आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। मामले में पीएसआई चंदन कुमार के फर्द बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बरामद स्प्रिट का इस्तेमाल कहां और किस नेटवर्क के जरिए किया जाना था।

बालगंगा-भीमा घाट सड़क किनारे वृद्ध का शव बरामद, हादसे की आशंका

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना पुलिस ने बालगंगा-भीमा घाट सड़क किनारे पड़े एक वृद्ध का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। शव मिलने की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई। थाना प्रभारी धनंजय कुमार ने बताया कि सड़क किनारे संदिग्ध हालत में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान गोविंदगंज थाना क्षेत्र के लौरिया वार्ड-5 निवासी 65 वर्षीय कन्हैया पाण्डेय के रूप में हुई है। बताया गया है कि उनकी पुत्री की शादी मजुराहा में हुई है और वह वहीं जा रहे थे। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच में जुटी है।

पत्रकार की बाइक चोरी के 9 दिन बाद भी बरामदगी नहीं, जांच जारी

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। गायघाट क्षेत्र के डिजिटल पत्रकार नीरज कुमार की मोटरसाइकिल चोरी हुए 9 दिन बीत गए, लेकिन अब तक वाहन की बरामदगी नहीं हो सकी है। मामले को लेकर स्थानीय पत्रकारों और ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, 29 मार्च 2026 को नीरज कुमार समाचार संकलन के सिलसिले में बेनीबाद स्थित राजा लाइन होटल और रमौली चौक के बीच गए थे। उन्होंने अपनी TVS अपाचे (BR06 CW 8212) प्रखंड प्रमुख श्रवण कुमार सिंह के होटल से करीब 100 मीटर पश्चिम बाइक खड़ी की थी। कवरेज के बाद लौटने पर बाइक वहां नहीं मिली। पीड़ित पत्रकार ने बताया कि घटना के दिन ही लिखित शिकायत दी गई थी, जिसके बाद कांड संख्या 49/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। नीरज कुमार ने कहा कि बाइक उनके समाचार संकलन का मुख्य साधन थी, जिसके नहीं रहने से पेशेवर कार्यों में परेशानी हो रही है। थानाध्यक्ष साकेत सार्दुल ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और बाइक की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश जारी है।

जिला के सभी प्रखंडों में लगेगा सुरक्षा कर्मियों का भर्ती कैंप

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के युवाओं के लिए रोजगार का एक सुनहरा अवसर सामने आया है। सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंट सर्विसेज लिमिटेड (एसआईएस लिमिटेड) द्वारा जिला नियोजन पदाधिकारी के सहयोग से जिले के सभी 15 प्रखंड परिसरों में सुरक्षा सैनिक, सुरक्षा सुपरवाइजर, सीआईटी एवं सुरक्षा अधिकारी के पदों पर बड़े पैमाने पर भर्ती की जाएगी। कंपनी के इंस्पेक्टर राहुल कुमार तिवारी ने बताया कि एसआईएस लिमिटेड एशिया की अग्रणी बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सेवा कंपनी है तथा देश की चौथी सबसे बड़ी रोजगार प्रदाता कंपनियों में शामिल है। वर्तमान में कंपनी में लगभग 4 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी कार्यरत हैं।भर्ती कार्यक्रम 6 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर विभिन्न प्रखंड परिसरों में निर्धारित तिथियों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें मोतिहारी, सुगौली, रक्सौल, तुरकौलिया, ढाका, केसरिया, चकिया, हरसिद्धि, रामगढ़वा, अरेराज, कल्याणपुर, नरकटिया, चिरैया एवं मधुबन प्रखंड शामिल हैं। इस भर्ती में शामिल होने के लिए उम्मीदवार का न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं पास होना आवश्यक है। आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। साथ ही न्यूनतम ऊंचाई 162 सेंटीमीटर तथा वजन 50 से 90 किलोग्राम होना चाहिए। अभ्यर्थी शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना अनिवार्य है। चयनित उम्मीदवारों को पंजीकरण के बाद कंपनी के बहियारा स्थित प्रशिक्षण केंद्र में एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान आवास, भोजन एवं आवश्यक किट की व्यवस्था कंपनी द्वारा की जाएगी। प्रशिक्षण उपरांत अभ्यर्थियों को कंपनी की आवश्यकता अनुसार विभिन्न स्थानों पर नियुक्त किया जाएगा। बहाली के बाद सुरक्षा जवानों को 13,000 रुपये से 28,000 रुपये, सुपरवाइजर को 21,000 से 30,000 रुपये तथा सुरक्षा अधिकारी को 27,000 से 34,000 रुपये तक वेतन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, बीमा, प्रमोशन एवं अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7765038035 पर संपर्क कर सकते हैं।

महापौर ने कचरा डंपिंग स्थल का किया औचक निरीक्षण

गंदगी देख भड़कीं, स्वच्छता प्रबंधकों को लगाई फटकार

बीएनएम @ बेतिया: नगर निगम क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने सोमवार को पीपरा स्थित कचरा डंपिंग स्थल का औचक निरीक्षण किया। डंपिंग यार्ड से उठ रही भीषण बदबू और बढ़ते प्रदूषण को लेकर मिल रही लगातार शिकायतों पर महापौर ने यह कड़ा रुख अपनाया।निरीक्षण के दौरान कचरों के कुप्रबंधन और एनएच-727 तक फैली गंदगी को देखकर महापौर ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने स्वच्छता प्रबंधकों की अनुपस्थिति पर उन्हें तत्काल तलब किया और स्वच्छता प्रभारी मोहम्मद तबरेज आलम व जुलुम साह को नियमित निगरानी के सख्त निर्देश दिए। महापौर खुद घंटों मौके पर मौजूद रहीं और अपनी देखरेख में जेसीबी, पोकलेन व हाईवा मशीनों के जरिए हाईवे के पास से कचरा हटवाकर सुरक्षित घेरे के अंदर करवाया।महापौर ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण मानकों का उल्लंघन और जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि कचरा प्रबंधन में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ड्रोन की मदद से शराब की भट्टियां ध्वस्त

13 धरे गए, भारी मात्रा में शराब जब्त

बीएनएम @ बगहा: मद्य निषेध थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में उत्पाद पुलिस ने पहली बार ड्रोन कैमरे की मदद से शराब कारोबारियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। ड्रोन की सटीक निगरानी से रामनगर और बगहा के दुर्गम इलाकों में चल रही अवैध भट्टियों का भंडाफोड़ हुआ।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2800 किलो जावा महुआ और 220 लीटर चुलाई शराब को मौके पर ही नष्ट कर दिया, जबकि 115 लीटर शराब जब्त की गई। इस विशेष छापेमारी में कुल चार मुख्य अभियुक्त दबोचे गए। वहीं, पटकौली से संजय शाह को अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। धारा 37 के तहत अन्य मामलों में भी आठ लोग पकड़े गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया कि ड्रोन आधारित यह आधुनिक निगरानी और सख्ती आगे भी जारी रहेगी।

सिकन्दरपुर में शराब पर संग्रामपुर पुलिस का शिकंजा, दो धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में संग्रामपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना क्षेत्र के सिकन्दरपुर गांव में छापेमारी कर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 15 लीटर 390 मिलीलीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लालबाबु महतो और राजु महतो के रूप में हुई है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष अनूप कुमार के नेतृत्व में गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर दोनों को हिरासत में लिया और शराब की खेप जब्त कर ली। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसके साथ ही मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष अनूप कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि शराब के धंधे में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त और ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी रहेगी।

रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण, क्षेत्रीय अपर निदेशक ने व्यवस्थाओं की सराहना की

बीएनएम @रक्सौल

रक्सौल। तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के क्षेत्रीय अपर निदेशक डॉ. अजय कुमार ने रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई, दवा आपूर्ति, जांच सुविधाएं तथा स्टाफ की उपस्थिति का जायजा लिया। सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण में प्रसव और शल्य चिकित्सा सेवाएं भी सुचारू रूप से संचालित होती मिलीं, जिससे अस्पताल की बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उजागर हुई। मरीजों के लिए पेयजल समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं भी अच्छी स्थिति में मिलीं, जिससे उन्हें राहत मिल रही है। इस दौरान अस्पताल की उपाधीक्षक डॉ. स्वाति सपन के कार्यों की विशेष रूप से सराहना की गई। क्षेत्रीय अपर निदेशक ने उन्हें एक कुशल प्रशासक बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में अस्पताल की व्यवस्थाएं काफी मजबूत हुई हैं। मौके पर जिला पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन, मोतिहारी को रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल में एक सक्षम और कुशल प्रशासक की तैनाती के लिए धन्यवाद दिया गया। साथ ही तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त से अनुरोध किया गया कि उपाधीक्षक डॉ. स्वाति सपन को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रथम स्थान पर सम्मानित करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाए।

पिपरा प्रीमियर लीग नाइट टी-20 का आगाज, उद्घाटन मैच में चटिया की शानदार जीत

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। प्रखंड के पिपरा पंचायत में रविवार की शाम पिपरा प्रीमियर लीग नाइट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। शाम करीब सात बजे पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बाबू मिश्रा, सरपंच प्रतिनिधि धनंजय चौबे और समाजसेवी राकेश मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। उद्घाटन से पहले स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर माहौल को उत्साह से भर दिया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। उद्घाटन मुकाबला चटिया और भटवालिया टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चटिया की टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 105 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भटवालिया की टीम 85 रन पर सिमट गई, जिससे चटिया ने मुकाबला 20 रन से जीत लिया। शानदार प्रदर्शन के लिए चटिया टीम के खिलाड़ी राहुल अटैक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। यह पुरस्कार समाजसेवी शिवनारायण भगत ने प्रदान किया। मैच में अंपायर की भूमिका नरेश गुप्ता और राजू चौरसिया ने निभाई। वहीं, कमेंट्री की जिम्मेदारी मोहित मिश्रा उर्फ गप्पू मिश्रा और मुकेश कुमार चौरसिया ने संभाली। स्कोरिंग का कार्य हेमराज आलम और अशोक चौरसिया ने किया। इस मौके पर दिनेश यादव, मिंटू चौरसिया, पवन कुमार, सत्येंद्र मिश्रा, सद्दाम आलम, रिंकू मिश्रा, उत्कर्ष चौरसिया, दिलखुश कुमार, लाडला आलम, तस्लीम आलम, नजीर मियां और झुना सिंह समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एटीएम बदलकर ठगी करने वाला शातिर दबोचा, 34 कार्ड बरामद

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। थाना क्षेत्र के एक एटीएम में कार्ड बदलकर ठगी करने की सूचना पर अरेराज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक शातिर ठग को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से विभिन्न बैंकों के 34 एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमेश महतो, पिता सुकाई महतो, निवासी मठीया बरियारपुर, थाना पिपराकोठी, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान उसके पास से भारी संख्या में एटीएम कार्ड मिले, जिससे उसके बड़े ठगी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी एटीएम पर आने वाले लोगों को मदद के बहाने अपने झांसे में लेता था। मौका मिलते ही वह उनका कार्ड बदल देता और बाद में खातों से रुपये निकालकर फरार हो जाता था। इस कार्रवाई का नेतृत्व थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने किया। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक नेटवर्क, उसके संभावित साथियों और अन्य वारदातों में संलिप्तता की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि एटीएम इस्तेमाल के दौरान किसी अजनबी की मदद न लें और अपना पिन नंबर पूरी तरह गोपनीय रखें।

जहरीली शराब कांड पर तेजस्वी का शिष्टमंडल पहुंचा चंपारण, पीड़ित परिवारों से मिल बंधाया ढांढस

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। पूर्वी चंपारण के तुरकौलिया और रघुनाथपुर थाना क्षेत्रों में जहरीली शराब से मची तबाही के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के निर्देश पर राजद का एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल पीड़ित परिवारों से मिलने जिले पहुंचा। शिष्टमंडल का नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने किया। दल में राष्ट्रीय महासचिव अलख निरंजन उर्फ बीनू यादव, जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, पूर्व मंत्री डॉ. शमीम अहमद, पूर्व विधायक राजेंद्र राम, लक्ष्मी नारायण यादव और ई. शशिभूषण सिंह शामिल थे। सबसे पहले टीम बालगंगा गांव पहुंची, जहां मृतक संपत साह के परिजनों और जीवन-मौत से जूझ रहे लड्डू साह के परिवार से मुलाकात की। परिजनों ने रोते-बिलखते अपना दर्द बयां किया। संपत साह के परिवार ने बताया कि उनके तीन छोटे-छोटे पुत्र हैं और केवल घरारी भर जमीन है, जिससे आगे परिवार चलाना मुश्किल होगा। वहीं लड्डू साह की पांच पुत्रियों ने अपने पिता की गंभीर हालत बताते हुए भविष्य की चिंता जताई। ग्रामीणों ने शिष्टमंडल को बताया कि गांव-गांव में शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है और स्थानीय स्तर पर ही कई लोग इस धंधे में शामिल हैं। इस पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इसके बाद शिष्टमंडल गदरिया के मृतक प्रमोद यादव, परसौना के परिछन मांझी, योद्धा मांझी, हरदिया के लालकिशोर यादव, विनोद साह, हरिभगत और इलियास अंसारी समेत अन्य मृतकों के घर भी पहुंचा और परिजनों का हाल जाना। उदय नारायण चौधरी ने कहा कि पीड़ित परिवारों और ग्रामीणों से घटना की विस्तृत जानकारी ली गई है। मृतकों की पारिवारिक स्थिति, आजीविका और इलाज की परिस्थितियों का भी जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि पूरी रिपोर्ट नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को सौंपी जाएगी, ताकि आगे की राजनीतिक और मानवीय कार्रवाई की जा सके।

फरार अभियुक्त रमाशंकर सहनी गिरफ्तार

बीएनएम @ मलाही

मलाही। अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के बीच मलाही पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे कांड संख्या 401/25 के मुख्य अभियुक्त रमाशंकर सहनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष सुमन भारती के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मझरिया निवासी साजन सहनी के पुत्र रमाशंकर सहनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला 8 दिसंबर 2025 को बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत दर्ज किया गया था। घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। गुप्त सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और उसे दबोच लिया। थानाध्यक्ष सुमन भारती ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

गाली-गलौज, फायरिंग और धमकी के आरोप में युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी देने और फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 03 अप्रैल 2026 को ग्राम चैता निवासी सुजीत कुमार के दरवाजे पर पहुंचकर एक व्यक्ति ने गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और फायरिंग की। पीड़ित के लिखित आवेदन पर पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या 162/26 के तहत आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान नामजद अभियुक्त प्रकाश सिंह उर्फ सिंकू सिंह, पिता राम मोहन सिंह, निवासी ग्राम चैता, थाना पकड़ीदयाल को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

छापेमारी दल में ये अधिकारी रहे शामिल- इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार चंदन, थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक धीरज कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सुधीर ठाकुर तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

पर्सा जिला पुलिस कार्यालय में डिजिटल शौचालय सेवा शुरू, रुंगटा वेलफेयर सोसाइटी की पहल

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। पुलिस कर्मियों की सुविधा, स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए पर्सा जिला पुलिस कार्यालय में आधुनिक डिजिटल स्नान एवं शौचालय भवन का उद्घाटन किया गया। रुंगटा वेलफेयर सोसाइटी और ग्रीन सिटी सामुदायिक पुलिस सेवा केंद्र, आदर्शनगर के सहयोग से निर्मित इस भवन को नेपाल में अपनी तरह की पहली डिजिटल सुविधा बताया जा रहा है। सोमवार को आयोजित विशेष कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सुदीप राज पाठक ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस अत्याधुनिक संरचना से पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और कार्यक्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने भवन निर्माण में सहयोग देने वाली संस्थाओं के प्रति विशेष आभार जताया। कार्यक्रम में ग्रीन सिटी सामुदायिक पुलिस सेवा केंद्र, आदर्शनगर के अध्यक्ष जय प्रकाश खेतान, रुंगटा वेलफेयर सोसाइटी के कोषाध्यक्ष सुरेश रुंगटा, लायंस क्लब आदर्शनगर के प्रकाश बाहेती, जिला पुलिस कार्यालय के हरि बहादुर और राजु कार्की, जिला ट्रैफिक पुलिस प्रमुख युवराज कटवाल, वडा पुलिस कार्यालय बिर्ता के प्रमुख विक्रम सुबेदी, छपकैया सामुदायिक पुलिस के अध्यक्ष गयासुद्दीन ठकुराई, आमा नेपाल फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रविता मान्धर, युवा नेता सुधीर पटेल और सामाजिक कार्यकर्ता लायन पिया सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अध्यक्ष जय प्रकाश खेतान ने कहा कि पुलिस कर्मियों की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस तरह की संरचना का निर्माण अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वास्थ्य एक-दूसरे से सीधे जुड़े हैं और यह डिजिटल सुविधा पुलिसकर्मियों के दैनिक जीवन को अधिक सहज बनाएगी। वहीं, लायन पिया सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से शहर और देश की सेवा में जुटे सुरक्षा बलों का आत्मबल और स्वच्छता के प्रति कर्तव्यनिष्ठा दोनों मजबूत होते हैं। नव-निर्मित भवन से पुलिस कर्मियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधायुक्त वातावरण मिलने की उम्मीद जताई गई है।

श्रमिक हितों का ख्याल

इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों का मामला राजनीतिक दायरे में आता है, जिस बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है।

किन गतिविधियों को उद्योग माना जाए, यह तय करने की जिम्मेदारी फिर सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाथ में ली है। मगर केंद्र ने उससे सहमत नहीं है। 1978 में उद्योग की परिभाषा सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने तय की थी। अब उस पर पुनर्विचार करने के लिए कोर्ट ने नौ जजों की बेंच बनाई है। उसके सामने अपना पक्ष रखते हुए केंद्र ने कहा कि कोर्ट को इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। केंद्र चाहता है कि सरकारी एवं समाज कल्याण से जुड़े कार्यों को औद्योगिक गतिविधि ना माना जाए। यह तर्क मंजूर होने का मतलब होगा कि इन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मी श्रम कानूनों/ संहिताओं के तहत मिले अधिकार/ लाभ से वंचित हो जाएंगे।

जाहिर है, इस प्रकरण का संबंध श्रमिकों से भी है। इसलिए इस मामले में उनका पक्ष भी महत्त्वपूर्ण होगा। इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों से संबंधित पहलू राजनीतिक दायरे का हिस्सा हैं, जिनके बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है। इसीलिए 1978 बैंगलोर जल आपूर्ति विभाग से जुड़े मामले में निर्णय तक पहुंचने के लिए सुप्रीम कोर्ट को संविधान पीठ का गठन करना पड़ा था। 2005 में उत्तर प्रदेश सरकार बनाम जयवीर सिंह मामले में ये विवाद फिर उठा, जो अब तक लंबित है। उसी सिलसिले में अब कोर्ट नौ जजों की बेंच बनाई गई है। 1978 में कोर्ट ने कहा था कि कोई संगठन उद्योग की श्रेणी में आता है या नहीं, यह तय करने की कसौटी यह नहीं हो सकती कि मुनाफा कमाना उसका मकसद है या नहीं। इसके लिए कोर्ट ने तीन पैमाने तय किएः व्यवस्थित गतिविधि, प्रबंधन एवं श्रमिकों के बीच सहयोग, और वस्तु एवं सेवाओं का उत्पादन अथवा वितरण। इस तरह चैरिटी, सामाजिक कार्य एवं कल्याण कार्यों से जुड़े संगठन भी उद्योग के दायरे में आ गए। ये फैसला उस दौर में आया, जब वैचारिक दायरे में श्रमिकों के हित सर्वोपरि माने जाते थे। आज माहौल बदल चुका है। फिर भी श्रमिक हितों का ख्याल किया जाना चाहिए।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

- स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार

(विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) पर विशेष)

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्यके लिए एकजुट रहें, विज्ञान केसाथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य

समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

स्वास्थ्य का बाजार और दम तोड़ती आम आदमी की उम्मीदें

दिलीप कुमार पाठक

(7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस)

हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से कहते आए हैं कि पहला सुख निरोगी काया, लेकिन आज की हकीकत को देखकर तो ऐसा लगता है कि अब निरोगी वही रह सकता है जिसकी जेब में मोटा पैसा हो। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी एक बड़ी आबादी छोटी-सी बीमारी के इलाज के खर्च से घबराती है, वहाँ विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे आयोजन महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। असलियत तो यह है कि आज के दौर में जान है तो जहान है वाली बात अब अस्पतालों के भारी-भरकम बिलों के बीच कहीं दम तोड़ती नजर आती है। क्या हम वास्तव में स्वस्थ हो रहे हैं या सिर्फ दवाइयों के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं जिसका दूसरा सिरा कंगाली की ओर जाता है? आज चिकित्सा का पूरा क्षेत्र चकाचौंध भरे कारोबार में बदल चुका है। बड़े शहरों में फाइव स्टार होटलों जैसे दिखने वाले अस्पताल तो खड़े हो गए हैं, लेकिन वहां का दरवाजा खटखटाने से पहले एक आम आदमी दस बार अपनी खाली जेब टटोलता है। मध्यमवर्गीय परिवारों की बरसों की गाढ़ी कमाई एक गंभीर बीमारी के इलाज में चंद दिनों में हवा हो जाती है। हमारे यहाँ कहावत है गरीबी में आटा गीला, और आज के दौर में बीमारी वही काम कर रही है। सरकारी अस्पतालों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है, जहाँ लंबी कतारें और संसाधनों की कमी मजबूरन आदमी को निजी अस्पतालों की लूट की तरफ धकेल देती है।

चिकित्सा की संवेदनशीलता किस कदर खत्म हो रही है, इसका कड़वा अनुभव मुझे हाल ही में एक सामान्य खांसी के दौरान हुआ। एक मामूली खांसी के इलाज के लिए मुझे महीने भर के भीतर तीन डॉक्टर बदलने पड़े, क्योंकि हर बार मर्ज कम होने के बजाय दवाओं का बोझ और जांचों की लंबी फेहरिस्त बढ़ती गई। विडंबना देखिए कि आज डॉक्टर का आश्वासन मरीज

को ढांढस बंधाने के बजाय उसकी चिंता और बीमारियां बढ़ा देता है। डॉक्टर अब मरीज की नब्ज से ज्यादा उसकी आर्थिक हैसियत टटोलते नजर आते हैं। जब एक छोटी-सी खांसी के लिए इंसान को हफ़्तों भटकना पड़े और भारी-भरकम फीस चुकानी पड़े, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी गंभीर बीमारी में एक आम आदमी की रूह कितनी कांपती होगी। आज डॉक्टर और मरीज के बीच का वह पवित्र भरोसा व्यावसायिकता की भेंट चढ़ चुका है। गाँवों की स्थिति और भी विकट है, जहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अक्सर खुद ही बीमार नजर आते हैं। वहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण नीम-हकीमों का धंधा फल-फूल रहा है और बेचारा ग्रामीण मरीज शहर के चक्कर काटते-काटते अपनी जमीन-जायदाद तक से हाथ धो बैठता है। चिकित्सा व्यवस्था का ऐसा चरमराना केवल एक विभाग की विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। दवाइयों की पर्ची अब एक डरावने बिल की तरह लगती है जिसे देख मरीज का आधा खून सूख जाता है। सरकारी तंत्र की ढिलाई ने गली-मोहल्लों में ऐसे क्लीनिक खड़े कर दिए हैं जो इलाज के नाम पर सिर्फ वक्त और पैसा बर्बाद करते हैं। रसूखदारों के लिए तो यहाँ हर बिस्तर खाली है, लेकिन एक लाचार नागरिक के लिए सरकारी अस्पताल के स्ट्रेचर तक पहुंचना भी किसी जंग को जीतने जैसा है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ साँसों की कीमत केवल नोटों के बंडल तय करेंगे? संवेदनहीनता का यह वायरस आज चिकित्सा जगत की सबसे बड़ी बीमारी बन चुका है, जिसका इलाज किसी अस्पताल के पास नहीं है।

निजी अस्पतालों में कमीशन का खेल और दवाओं के नाम पर जो लूट चल रही है, वह किसी आम नागरिक के पल्ले नहीं पड़ती। अंधेर नगरी चौपट राजा वाली तर्ज पर दवाओं के दाम और इलाज का खर्च आज एक ऐसी कड़वी सच्चाई बन चुके हैं, जो किसी भी हंसते-खेलते परिवार को कर्ज के गहरे गड्ढे में धकेल सकते हैं। शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ आजकल मानसिक तनाव, शुगर और बीपी जैसी बीमारियाँ घर-घर की कहानी बन गई हैं। प्रदूषण और मिलावटी खान-पान हमारे शरीर में धीरे-धीरे जहर घोल रहे हैं और हम बीमार होने के बाद लाखों लुटाने को तो तैयार हैं, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी आदतों में बदलाव करने को तैयार नहीं हैं। स्वास्थ्य सेवाओं का इस तरह अंधाधुंध निजीकरण होना हमारे लोकतंत्र एवं समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। स्वास्थ्य कोई बाजार में बिकने वाली लग्जरी चीज नहीं है जिसे केवल रईस लोग ही खरीद सकें, बल्कि यह हर नागरिक का संवैधानिक हक है। सरकार को स्वास्थ्य बजट में कंजूसी छोड़नी होगी और दवाओं के दाम पर कड़ा हंटर चलाना होगा। डॉक्टरों को भी उस शपथ की लाज रखनी होगी जो उन्होंने इस पेशे में कदम रखते समय ली थी। असली स्वस्थ भारत तभी बनेगा जब इलाज किसी के लिए कंगाली का कारण न बने।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है। कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है। समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं—राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता—को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार

या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज—विशेषकर प्रभावशाली वर्ग—तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरु की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है—कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था—जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दर्शाते हैं। यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना तथा अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा। आज कुछ यात्रा होने के योग भी बन रहे हैं। आज अपने व्यस्त समय से कुछ समय धार्मिक व आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए निकालेंगे, इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेंगी। आज खर्चों की अधिकता रहेगी, लेकिन साथ ही आय के साधन बढ़ने से परेशानी नहीं होगी। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे। आज पर्सनल लाइफ से संबंधित किसी भी प्रकार का रिस्क लेने से परहेज करेंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। महिलाओं का आज ऑनलाइन शॉपिंग में समय बीतेगा। आज आपको किसी रिश्तेदार के घर जाने का निमंत्रण मिलेगा। आज अन्य गतिविधियों में व्यस्तता की वजह से आपका खुद का महत्वपूर्ण काम अधूरा रह सकता है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे। आज सामाजिक गतिविधियों में भी समय बीतेगा। आज व्यवसायिक व्यवस्था को बनाए रखने में आपका योगदान जरूरी है। आज बाहरी व्यक्ति आपके कार्यक्षेत्र की व्यवस्था में कुछ विघ्न डाल सकता है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही चल रही है, तो निश्चित ही सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे। आज किसी सदस्य की नकारात्मक बात को लेकर आपका मूड थोडा खराब हो सकता है। लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। आज कहीं भी यात्रा करने से फिलहाल परहेज करें और व्यक्तिगत मामलों पर अधिक ध्यान दें।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी खास व्यक्ति के मार्गदर्शन में आप कार्यों को बेहतरीन तरीके से करेंगे। किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी विचार-विमर्श होगा। आज किसी धार्मिक संस्था में सेवा संबंधी कार्यों में समय बीतेगा। आज किसी भी कार्य को लापरवाही की वजह से अधूरा ना छोड़।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आपका स्वाभिमान तथा आत्मविश्वास हर परिस्थिति में मेहनत करने की क्षमता बढ़ाएगा और आपके।के हुए काम थोड़े प्रयास से बन जाएंगे। आज बेकार की गतिविधियों में समय बिताना आपके महत्वपूर्ण कार्य में। कावट डाल सकता है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कर्म प्रधान बनेगा और आप अपनी ऊर्जा का भरपूर इस्तेमाल करेंगे। आपको अपनी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। भूमि या वाहन से संबंधित काम सफल हो सकता है। बहुत बीजी शेड्यूल होने के बावजूद कुछ समय आप बच्चों के लिए भी जरूर निकालेंगे। वर्तमान स्थिति पर ही अपना ध्यान अवश्य केंद्रित रखें।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। धार्मिक अथवा आध्यात्मिक गतिविधियों में आपका।ज्ञान बढ़ेगा। आपके अपने व्यक्तिगत काम पारिवारिक सदस्यों की मदद से पूरे हो जाएंगे। घर के वरिष्ठ सदस्यों के मान सम्मान और मार्गदर्शन की अवहेलना ना करें।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज का दिन उपलब्धियों वाला है इसका भरपूर उपयोग करना जरूरी है। किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी रूपरेखा तैयार करने से कामयाबी जरूर ही मिलेगी।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज विदेश जाने के लिए प्रयासरत लोगों को अच्छी खबर मिलने की संभावना है। सामाजिक संबंधी गतिविधियों में आपका खास योगदान रहेगा। अपनी बौद्धिक क्षमता तथा व्यवहार कुशलता द्वारा सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके उद्देश्य की पूर्ति होगी तथा अनुभवी लोगों के साथ रहकर बहुत कुछ बेहतर सीखने को मिलेगा। कार्य स्थल पर आज दौड़ धूप की अधिकता रहेगी परंतु सफलता मिलने से खुशी भी मिलेगी। आज आपका।का हुआ पैसा वापस मिलेगा, जिससे आप अपने जरूरत का सामान खरीदेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने से लाभ मिला : बिश्नोई

एजेंसी, मुम्बई

राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने का लाभ उसे इस सत्र में मिला है। इसी कारण वह इस सत्र में अब तक अच्छी गेंदबाजी करने में सफल हुए हैं। बिश्नोई के अनुसार उन्होंने अपनी गलतियों पर घरेलू क्रिकेट में काम किया है। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र मेरे लिए काफी कठिन रहा था, पर मैंने अपने तरीके से काम किया। अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सत्र में काम किया।बिश्नोई ने बताया कि जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो जाता है। बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दौरान मानसिक, तकनीकी और शारीरिक तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब दिख रहा है। आईपीएल में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। बिश्नोई सबसे पहले साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सत्र में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन नीचे आया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

एजेंसी, मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। । युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी। हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी।

वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

एजेंसी, कोलकाता

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

बिजनेस

कैट ने व्यापार एवं एमएसएमई के लिए वित्त मंत्री से राहत उपायों की घोषणा का किया आग्रह

एजेंसी, नई दिल्ली

कारोबारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण व्यापार और एमएसएमई पर संभावित प्रतिकूल असर को देखते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से राहत उपायों की घोषणा करने का आग्रह किया है। सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को एक बयान में पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण भारत के व्यापार और उद्योग, विशेषकर छोटे व्यापारियों एवं एमएसएमई क्षेत्र पर संभावित असर को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने वित्त मंत्री से छोटे व्यापारियों के लिए ऋण, लॉजिस्टिक्स और कच्चे माल की आपूर्ति में बाधाओं के मद्देनजर एक समर्पित टास्क फोर्स के गठन और समय पर राहत उपायों की मांग की गई है, ताकि स्थिरता बनी रहे। खंडेलवाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन को आज भेजे एक पत्र में कहा कि स्रोतों के विविधीकरण, लॉजिस्टिक्स ढांचे के सुदृढ़ीकरण, संतुलित वित्तीय प्रबंधन तथा आवश्यक वस्तुओं की निरंतर निगरानी जैसे कदमों ने देश में उपलब्धता और कीमतों को नियंत्रित रखा है, जिससे व्यापार जगत में विश्वास बना है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, आपूर्ति बाधाएं और लागत में बढ़ोतरी से कई क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इनमें प्रमुख रूप से पेट्रोकेमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, प्लास्टिक, टेक्सटाइल, उर्वरक, केमिकल्स, ऑटो कंपोनेंट्स, लॉजिस्टिक्स और अन्य ऊर्जा-आधारित उद्योग शामिल हैं। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि निर्यातकों को फ्रेट और बीमा लागत में वृद्धि, शिपमेंट में देरी, रूट परिवर्तन तथा भुगतान संबंधी अनिश्चितताओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी। भरतिया ने कहा कि व्यापार और उद्योग जगत में बढ़ती लागत, कार्यशील पूंजी पर दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, मुनाफे में कमी और ऋण भार में वृद्धि को लेकर गंभीर चिंता है, विशेषकर एमएसएमई क्षेत्र में। इन परिस्थितियों को देखते हुए दोनों व्यापारी नेताओं ने सरकार से आग्रह किया है कि एमएसएमई एवं छोटे व्यापारियों को ऋण चुकौती में अतिरिक्त समय एवं राहत, प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष क्रेडिट गारंटी योजना, गंभीर रूप से प्रभावित उद्योगों के लिए ब्याज सब्सिडी, ईंधन एवं कच्चे माल की कीमतों की निरंतर निगरानी और स्थिरीकरण उपाय तथा निर्यातकों के लिए फ्रेट, बीमा सहायता एवं शीघ्र रिफंड सुनिश्चित हो, जिससे उनको व्यापार में असुविधा न हो।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सेफ्टी कंट्रोल्स का आईपीओ, 13 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज का 48 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 अप्रैल को अलॉटिड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 13 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 80 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। सेफ्टी कंट्रोल्स के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 60 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 48.88 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.96 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सौभाग्या कैपिटल ऑपशंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 43 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.01 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 8.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 8.52 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी मामूली उतार चढ़ाव के साथ बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 49.26 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 45.70 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 103.50 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 68.51 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 18.52 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 29.79 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 33.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 39.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 12.47 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 17.48 करोड़ रुपये हो गया।

पश्चिम एशिया संकट के बीच आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

एजेंसी, मुंबई

पश्चिम एशिया संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आज से चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पहली तीन दिवसीय समीक्षा बैठक शुरू कर दी है। यह समीक्षा बैठक 6-8 अप्रैल तक चलेगी। अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट 5.25 फीसदी पर बने रहने की संभावना जताई है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हो रही यह 8 अप्रैल तक चलेगी और वह बैठक के फैसलों की घोषणा उसी दिन करेंगे। इस समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट और महंगाई पर फैसला लिया जाएगा। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मुद्रा संबंधी दबावों के बीच आर्थिक परिदृश्य का आकलन करने के लिए आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक में केंद्रीय बैंक इस बार भी रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत बनाए रखेगा। रेपो रेट का अर्थ वह ब्याज दर है, जिस पर आरबीआई बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। इससे सीधा प्रभाव लोन, ईएमआई, बचत और निवेश पर पड़ता है। इससे पहले पिछले वित्त वर्ष के फरवरी 2026 में हुई अंतिम एमपीसी बैठक में भी रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। हालांकि, रिजर्व बैंक फरवरी, 2025 से अब तक रेपो रेट में कुल 125 फीसदी की कटौती कर चुका है। आखिरी कटौती दिसंबर, 2025 में हुई थी, जब रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी किया गया था। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति में कुल छह सदस्य होते हैं। एमपीसी आमतौर पर महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रेपो रेट तय करने का काम करती है। इसके सदस्यों में तीन आरबीआई अधिकारी (गवर्नर सहित) और 3 बाहरी सदस्य शामिल होते हैं, जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करती है। इस वित्त वर्ष में कुल छह मौद्रिक समीक्षा बैठकें होनी हैं, जिनमें दूसरी 3 से पांच जून तक, तीसरी 3, 4 और 5 अगस्त को, चौथी 5, 6 और 7 अक्टूबर को, पांचवीं 2, 3 और 4 दिसंबर को तथा छठी बैठक 3, 4 और 5 फरवरी, 2027 को होगी।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल का दाम 115 प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच कच्चे तेल के दाम में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है, जिसका असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कच्चे तेल यानी (क्रूड ऑयल) का भाव 115 प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड वायदा भाव 1.71 डॉलर यानी 1.6 फीसदी बढ़कर 110.74 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का वायदा कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। एचएसबीसी की एक रिपोर्ट में पहले ही यह चेतावनी दी जा चुकी है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे वक्त तक 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहती है, तो आने वाले समय में और गंभीर स्थिति आ सकती है। इस रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि लंबे समय तक यही हाल बना रहता है, तो महंगाई दर 6 फीसदी से ऊपर जा सकती है। यदि महंगाई दर 6 फीसदी से ऊपर जाती है, तो इससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर होगा। खाने-पीने की चीजों से लेकर रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली चीज बिजली ट्रांसपोर्ट आदि सब महंगे हो जाएंगे।

पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल खेती की जरूरत से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, कारखानों, बिजली उत्पादन जैसे कई जगह किया जाता है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त की वजह मध्य-पूर्व के प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र में शिपिंग से जुड़ी समस्याओं के कारण आपूर्ति में रुकावट को लेकर बनी है, जो अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ जारी संघर्ष के कारण पैदा हुई हैं। कच्चे तेल की कीमतों में यह तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई धमकी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने ईरान को मंगलवार देर शाम 8:00 बजे तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने का समय दिया है।

देव डी की सिनेमाघरों में वापसी, अनुराग कश्यप बोले- ये मेरे गुस्से और विद्रोह की उपज

अनुराग कश्यप की बेहतरीन फिल्मों में शुमार देव डी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है। इस री-रिलीज के मौके पर निर्देशक अनुराग ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादें ताजा की हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने स्वीकार किया कि देव डी महज एक कहानी नहीं, बल्कि उस दौर में उनके भीतर चल रहे गुस्से और सिस्टम के खिलाफ विद्रोह का नतीजा थी। आइए जानें फिल्म दोबारा किस दिन सिनेमाघरों का रुख करेगी।

गैंग्स ऑफ वासेपुर (2012) से पहले देव डी (2009) ही वो फिल्म थी, जिसने अनुराग को बॉलीवुड में एक ताकतवर फिल्ममेकर के रूप में स्थापित किया था। एक कल्ट क्लासिक का दर्जा प्राप्त कर चुकी ये फिल्म अपनी रिलीज के 17 साल बाद अब 24 अप्रैल को दोबारा सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। अभय देओल, कल्कि कोचलिन और माही गिल अभिनीत ये फिल्म केवल कुछ चुनिंदा सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी।

अनुराग ने बताया, जब मैंने देव डी बनाई तो ये मेरे भीतर के विद्रोह से उपजी थी। वो देवदास के पुराने रूमानी संस्करण को तोड़ना चाहते थे। उनका उद्देश्य देवदास की स्त्री-द्वेषी सोच को चुनौती देना था। उन्होंने पारो और चंदा के किरदारों को मौजूदा दौर के हिसाब से गढ़ा, जहां पारो के पास अपनी इच्छा और गुस्सा है, और चंदा त्याग की मूर्ति नहीं, बल्कि खुद को फिर से गढ़ने वाली एक मजबूत महिला है।

अनुराग ने बताया कि वो एक ऐसी कहानी को, जो दुखद रोमांस में डूबी थी, आज के अराजक भारत की वास्तविकता में लाना चाहते थे। फिल्म के अंत को लेकर उन्होंने कहा कि वो इसे कोई सुखद अंत नहीं देना चाहते थे, बल्कि दर्शकों को असहज करना चाहते थे, ताकि वे माफी और जवाबदेही के बारे में सोचें। अनुराग के अनुसार, अंत में देव कोई बहुत अच्छा इंसान नहीं बनता, बस उसे जीवन की नाजुकता का एहसास होता है।

फिल्म की री-रिलीज पर अनुराग उत्सुक हैं कि नई पीढ़ी फिल्म और इसके संगीत पर कैसी प्रतिक्रिया देती है। देव डी शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास देवदास का आधुनिक रूपांतरण था। इस फिल्म में अभय देओल ने देव, माही गिल ने पारो और कल्कि ने चंदा का किरदार निभाया। कल्कि ने इसी फिल्म से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म के गाने इमोशनल अत्याचार में बैंड गायक के रूप में मनोरंजक कैमियो किया था।

फिल्म

'पता नहीं कितनी बार नानी बना दिया..., सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर पूनम सिन्हा ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने साल 2024 में अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी की थी. कपल ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच शादी रचाई थी. दोंनों एक अच्छी मैरिड लाइफ एंजॉय कर रहे है. दोनों सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और एक दूसरे के साथ मस्ती भरे वीडियोज शेयर करते रहते हैं, जो फैंस को काफी पसंद आता है. वहीं पिछले साल से सोनाक्षी सिन्हा को लेकर खबरें सामने आ रही हैं कि वो प्रेग्नेंट हैं. दरअसल, सोनाक्षी सिन्हा साल 2025 में मुंबई में एक दीवाली पार्टी में नजर आई थीं, जहां वो रेड आउटफिट में पहने दिखी थीं, जिसके बाद से खबरें सामने आने लगी कि वो अपनी बेबी बंप छुपा रही हैं और एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं. हालांकि, सोनाक्षी इन अफवाहों को झूठा बताया था. वहीं अब एक्ट्रेस की मां पूनम सिन्हा ने इस पर रिएक्ट किया है. पूनम सिन्हा ने हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के संग बातचीत के दौरान, उस पल को याद किया जब उनके घर सोनाक्षी का जन्म हुआ था. पूनम ने कहा, 'वो तो सबसे अच्छा पल था हमारी जिंदगी का जब हमारे घर में बेटी आईं. मुझे लगता है जिंदगी बेटियों के बिना कुछ है ही नहीं. बेटियों का होना बहुत जरूरी है. वहीं, सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी की खबरों रिएक्ट करते हुए उन्होंने कहा- 'पता नहीं कितनी बार नानी बना दिया हमको, लेकिन वो खुशी भी हमको मिलेगी, जरूर मिलेगी वो खुशी.'

धुरंधर 2 अब 1,000 करोड़ से बस चंद कदम दूर, 16वें दिन भी की ताबड़तोड़ कमाई

धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी आंधी बरकरार रखी है और रिलीज के 16वें दिन भी ताबड़तोड़ कमाई के साथ यह फिल्म अब 1,000 करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े के बेहद करीब पहुंच गई है। अपनी अभूतपूर्व सफलता के साथ ये फिल्म न केवल भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बनने की दहलीज पर है, बल्कि बहुत जल्द यह इतिहास रचते हुए 1,000 करोड़ क्लब में कदम रखने वाली पहली हिंदी फिल्म बन जाएगी।

सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर रुकने का नाम नहीं ले रही है। फिल्म ने अपनी रिलीज के 16वें दिन (तीसरे शुक्रवार) को भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 21.55 करोड़ रुपये की ताबड़तोड़ कमाई की है।

इस धमाकेदार कारोबार के साथ धुरंधर 2 का 16 दिनों का कुल कारोबार अब 959 .37 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म अब 1,000 करोड़ रुपये के उस ऐतिहासिक जादुई आंकड़े को छूने से महज 41 करोड़ रुपये की दूरी पर है। जानकारों का मानना है कि तीसरे वीकेंड (शनिवार और रविवार) में फिल्म की कमाई में एक बड़ा उछाल देखने को मिलेगा, जिससे ये आसानी से 1,000 करोड़ का मील का पत्थर पार कर लेगी। जैसे ही फिल्म इस आंकड़े को पार करेगी, ये बॉलीवुड के इतिहास की पहली 1,000 करोड़ी फिल्म बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर देगी। ये न केवल निर्माताओं के लिए, बल्कि पूरे भारतीय सिनेमा के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर एक नया मुकाम हासिल किया है। तीसरे शुक्रवार को 21.55 करोड़ की कमाई के साथ, यह बाहुबली 2 (18 करोड़) और पुष्पा 2 (14 करोड़) को पीछे छोड़ते हुए, इतिहास में तीसरे शुक्रवार की दूसरी सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। हालांकि] यह अपने प्रीक्वल धुरंधर (23 .7 करोड़) के रिकॉर्ड से थोड़ा पीछे रही, लेकिन इसकी यह कामयाबी फिल्म के प्रति दर्शकों की बेपनाह दीवानगी को साबित करती है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी धुरंधर 2 साल 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का सीक्वल है, जिसने अपनी पहली ही फिल्म से दुनियाभर में 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर इतिहास रचा था। फिल्म में रणवीर, हमजा अली मजारी उर्फ जसकीरत सिंह रंगी के रूप में मुख्य भूमिका में हैं। सारा अर्जुन, आर माधवन, राकेश बेदी और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकारों ने भी अपनी पिछली भूमिकाओं को दोहराते हुए कहानी में निरंतरता और गहराई बनाए रखी है।

रिलीज हुआ डकैत का ट्रेलर, एक्शन अवतार में दिखीं मृणाल ठाकुर; अलग अंदाज में दिखे अनुराग कश्यप

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की अपकमिंग फिल्म डकैत की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले दर्शक इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। उनका यह इंतजार पूरा हो हुआ। डकैत का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि हरि (अदिवि शेष) और जूलिएट (मृणाल ठाकुर) एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं। शादी के बाद वह एक बच्चा चाहते हैं और अपना परिवार बसाना चाहते हैं। इस बीच जूलिएट के साथ कुछ गलत हो जाता है। इसके बाद उनकी जिंदगी एकदम बदल जाती है।

इसके बाद हरि पुलिस हिरासत में नजर आते हैं। कुछ दिनों बाद जब वह पुलिस हिरासत से छूट जाते हैं तो उन्हें जूलिएट ऐसी हालत में मिलती है कि उसे पैसों की जरूरत होती है। इसके बाद दोनों एक मिशन पर निकलते हैं। हरि अपने साथ हुए गलत काम का बदला लेते हैं। डकैत पहले 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि अब इसकी रिलीज डेट बदल दी गई है। अब यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हिंदी और तेलुगु में एक साथ फिल्माई गई फिल्म डकैत की कहानी और पटकथा आदिवी शेष और शेनिल देव ने मिलकर लिखी है। इन दोनों ने ही फिल्म का निर्देशन भी किया है। आदिवी शेष-मृणाल ठाकुर के अलावा इस फिल्म में अनुराग कश्यप, प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी भी अहम भूमिकाएं निभाएंगे।

राशा थडानी और जया कृष्ण घट्टामनेनी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म श्रीनिवासा मंगापुरम का पोस्टर रिलीज

अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के बाद तेलुगु सिनेमा में एंट्री करने जा रही हैं। अभिनेत्री जल्द ही निर्देशक अजय भूपति की आगामी तेलुगु फिल्म श्रीनिवासा मंगापुरम में नजर आएंगी। इस एक्शन-रोमांस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसमें राशा और जया कृष्ण घट्टामनेनी दोनों एक-दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राशा ने एक खूबसूरत लैवेंडर कलर की साड़ी पहनी हुई है। उनके बाल खुले हैं। वहीं, पोस्टर में लिखा है, हैप्पी वेलेंटाइन डे। अभिनेत्री राशा थडानी ने पोस्ट कर लिखा, बस एक बार अपनी आंखें खोलकर देखोज् मैं यहीं रहूंगी, इतनी पास कि तुम्हारी सांसों को महसूस कर सकूं- मंगा।

अजय भूपति द्वारा निर्देशित फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम में राशा थडानी मंगा का किरदार निभाएंगी। अजय भूपति ने पहले आरएक्स 100, महा समुद्रम, और मंगलावरम जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। हालांकि, फिल्म को लेकर बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अभिनेत्री अपने साउथ प्रोजेक्ट के साथ बाकी प्रोजेक्ट में भी इस समय व्यस्त चल रही हैं।

वे जल्द ही फिल्म लइका लइकी में नजर आने वाली हैं। राशा थडानी की बात करें तो उन्होंने साल 2025 में फिल्म आजाद से बतौर एक्ट्रेस के तौर पर हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में असफल रही और फ्लॉप हो गई थी, लेकिन राशा के परफॉर्मेंस को लोगों ने काफी सराहना दी थी। फिल्म के गाने ऊई अम्मा ने उनकी परफॉर्मेंस के लिए काफी सुर्खियां बटोरी थीं। वहीं, गाना भी रिलीज के बाद काफी वायरल हुआ था और सोशल मीडिया पर उनके डांस स्टेप कॉपी करके ढेरों वीडियो वायरल हुए थे। वहीं, फिल्म में उनके अपोजिट अजय देवगन के भांजे अमन थे। उन्होंने भी अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता था।

चुकंदर को लेकर लोगों के मन में हैं ये आम भ्रम, जानिए इनकी सच्चाई

चुकंदर को सबसे सेहतमंद सब्जियों में गिना जाता है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि त्वचा को भी निखार देता है। हालांकि, इस सब्जी को लेकर लोगों में कई भ्रम फैले हुए हैं। इस लेख में हम कुछ आम भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि चुकंदर का सेवन कैसे लोगों के लिए लाभकारी हो सकता है। इन भ्रमों की सच्चाई जानकर आप सही निर्णय ले पाएंगे और स्वस्थ रह सकेंगे।

भ्रम- चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है: बहुत से लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है। यह एक गलत धारणा है, क्योंकि चुकंदर में कैलोरी कम होती है और फाइबर ज्यादा होता है। फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाता है, जिससे अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाते हैं।

भ्रम- चुकंदर का रंग मूड खराब करता है : कुछ लोग मानते हैं कि चुकंदर का रंग मूड खराब कर सकता है, खासकर जब यह दांतों या हाथों पर लग जाता है। हालांकि, यह सिर्फ एक भ्रम है। सही तरीके से धोने पर चुकंदर का रंग आसानी से हट जाता है। आप चाहें तो चुकंदर को छीलकर उसका रस निकाल सकते हैं, जिससे रंग की समस्या नहीं होगी। इसके अलावा चुकंदर में मौजूद पोषक तत्व आपके मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

भ्रम- चुकंदर खाने से पेट में गैस बनती है : चुकंदर खाने से गैस बनने का डर बहुत लोगों में होता है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। अगर आप संतुलित मात्रा में चुकंदर खाते हैं तो इससे गैस नहीं बनती। दरअसल, चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और पाचन प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। इसलिए, संतुलन में ही चुकंदर का सेवन करें, ताकि आप इसके सभी फायदों का आनंद ले सकें और गैस से बच सकें।

भ्रम- चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए : कई लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए, ताकि इसके सभी लाभ मिल सकें। हालांकि, सच्चाई यह है कि कुछ पोषक तत्व पकाने पर भी बने रहते हैं और कुछ नए बन जाते हैं। कच्चे चुकंदर सलाद में अच्छे लगते हैं, जबकि भुने या उबले हुए चुकंदर सूप या पराठे में स्वादिष्ट लगते हैं। इसलिए, इसे अपनी पसंद और आवश्यकता अनुसार किसी भी रूप में खाया जा सकता है।

मटन खाने को लेकर भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा के घर मचा घमासान

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपनी गायकी और अदायगी की वजह से काफी मशहूर हैं। अभिनेत्री की मां नीलिमा सिंह टेलीविजन का जाना-माना चेहरा हैं, जो स्टार प्लस से लेकर दंगल के शोज में काम कर चुकी है और आज भी टेलीविजन की दुनिया में सक्रिय है। अब अक्षरा सिंह के घर पर किसी फिल्म को लेकर नहीं, बल्कि मटन को लेकर बवाल हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अक्षरा सिंह ने अपना नया व्लॉग शेयर किया है, जिसमें बताया कि इस बार तीनों के बीच मटन को लेकर जंग जारी है। अक्षरा के पिता को मटन खाना है, लेकिन मां नीलिमा सिंह का कहना है कि उनके जीते-जीते घर में मटन, चिकन कुछ नहीं बनेगा। ऐसे में अक्षरा भी अपने पिता का साथ दे रही हैं। ऐसे में नीलिमा अपने अपने पति और बेटी को ताने मारती हैं और आखिर में शर्त के साथ घर में मटन बनाने की इजाजत दे दी जाती है। नीलिमा साफ कह देती हैं कि मटन बनाने के लिए चूल्हा और बर्तन दोनों अलग होंगे। ऐसे में अक्षरा अलग सिलेंडर का इंतजाम करने की बात कहती हैं, लेकिन नीलिमा ताने मारते हुए कहती है कि अब तो सिलेंडर से जमाना वापस चूल्हे और इंडक्शन पर आ चुका है। बता दें अक्षरा सिंह का चटर-पटर व्लॉग फैंस को भी खूब पसंद आ रहे हैं। अभिनेत्री हर हफ्ते परिवार के साथ एक व्लॉग डालती हैं, जिसमें वे बिहार की परंपरा और ऑथेंटिक खाने की बातें करती हैं और खाना पकाती हुई भी दिखती हैं। इस बार अक्षरा ने अपने पिता के साथ मिलकर चंपारन मटन बनाया है, जो बिहार की सबसे प्रसिद्ध रेसिपी है। इसे मिट्टी के मटके में दम लगाकर बनाने की परंपरा है।

इससे पहले अक्षरा ने मां नीलिमा के साथ मिलकर पनीर मसाला की मजेदार रेसिपी शेयर की थी, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया था। बता दें अक्षरा सिंह के कई यूट्यूब चैनल हैं। उनका खुद का सिंगिंग वीडियोज का आधिकारिक चैनल भी है, जहां वे खुद के रिकॉर्ड किए गाने शेयर करती हैं।

BJP Foundation Day: PM Modi hails workers' selfless service, reiterates 'Viksit Bharat' visiona

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi on Monday extended warm greetings to party workers on the Bharatiya Janata Party's Foundation Day, lauding their dedication and reaffirming the party's commitment to development and public welfare.

In a post on X, PM Modi said the party has consistently upheld the principle of "India First" and remains at the forefront of serving society. He praised BJP workers for their selfless service, grassroots outreach, and commitment to good governance, while remembering those whose sacrifice and perseverance contributed to the party's growth.

"Warm greetings to all BJP Karyakartas across the nation on the party's Sthapana Diwas. Our Party has always been at the forefront of serving society, guided by the principle of India First. Our Karyakartas are known for their selfless service, unwavering dedication and a deep passion towards good governance. They have worked tirelessly at the grassroots, ensuring maximum people are connected to our ideology and work. We also remember the countless workers whose dedication, sacrifice and perseverance have shaped the party's growth over decades," said PM Modi.

"The BJP stands as a party that places well-being of people at the centre of its vision. This is reflected in our work at the Centre and in various states. BJP remains committed to building a Viksit Bharat. May our collective resolve continue to drive this vision forward and take India to new heights of progress and prosperity," he added.

Senior leaders also marked the occasion, highlighting the party's ideological roots and evolution into what they described as the world's largest political organisation.

Union home minister Amit Shah said the BJP's formation was not just a political development but a pledge for national reconstruction, inspired by Shyama Prasad Mukherjee and Deendayal Upadhyay.

No Brahmin fielded by major parties in TN

Chennai, Agency: For the first time in 35 years, AIADMK has not fielded any Brahmin candidate in the Tamil Nadu assembly polls, indicating the waning influence of the community that hasn't found place this time in the lists of other major parties as well.

Its ally, BJP, too has no Brahmin candidate in the 27 seats allotted to it, though the party has managed to get support of Tamil Nadu Brahmin Association (TAMBRAS). DMK and Congress have no Brahmin candidate either. Brahmins constitute around 3% of the state's population.

In about 10 years since the demise of chief minister J Jayalalithaa, a Brahmin, AIADMK had fielded one candidate from the community, R Nataraj, a retired DGP, in the 2021 election.

In contrast, actor Vijay's TVK has fielded two Brahmin candidates while Tamil nationalist Seeman's NTK has fielded six. The two parties have chosen constituencies like Mylapore and Srirangam, where there are sizeable Brahmin votes. Most candidates fielded by the major parties in the state now belong to OBC communities, except in reserved constituencies.

The two parties have chosen constituencies like Mylapore and Srirangam, where there are sizeable Brahmin votes. Most candidates fielded by the major parties in the state now belong to OBC communities, except in reserved constituencies.

"AIADMK has done injustice to the Brahmin community. Jaya and MGR had always fielded Brahmin candidates," said political commentator Raveendran Duraisamy . Political analyst Arun Kumar says the AIADMK had retained Brahmin support for decades.

EAM Jaishankar receives call from Iran FM Araghchi as Trump's 48-hour threat looms

New Delhi, Agency: External affairs minister S Jaishankar received a call on Sunday from Iranian counterpart Abbas Araghchi as the tensions in the Middle East continue. "Received a call from Foreign Minister Abbas Araghchi of Iran. Discussed the present situation," said Jaishankar.

While the specific details of the call have not been released, the Iran Embassy in India also confirmed the call saying that the two leaders discussed bilateral relations and the regional, international situation. "Seyed Abbas, Foreign Minister of the Islamic Republic of Iran, held a phone conversation with Subrahmanyam Jaishankar, India's Minister of External Affairs, discussing bilateral relations as well as regional and international developments," said the Embassy on X.

Before revealing the call with Araghchi, Jaishankar revealed conversations with various leaders from the Middle Eastern countries, namely- UAE deputy PM, FM Abdullah bin Zayed Al Nahyan, Qatar PM Mohammed bin Abdulrahman bin Jassim Al Thani. Details of these calls haven; been released either. This comes as Iran faces a 48-hour deadline to open the Strait of Hormuz from Trump after which the US president has threatened to target the country's power plants and bridges. Trump on Sunday also issued an 'expletive' warning to Iran. He threatened severe military action, saying that Tuesday would be "Power Plant Day and Bridge Day". "Tuesday will be Power Plant Day, and Bridge Day, all wrapped up in one, in Iran. There will be nothing like it!!! Open the F*****' Strait, you crazy b******s, or you'll be living in Hell - JUST WATCH! Praise be to Allah." said the US President on Truth Social.

8L PNG connections in a month: Official

New Delhi, Agency: Nearly eight lakh new piped gas consumers have joined the fold over the past month amid a drive by the govt and gas companies to push its use and reduce dependence on cooking gas cylinders, a top official said Sunday.

"We have managed quite well, delivering around 50 lakh cylinders consistently, fully meeting domestic demand and up to 80% of commercial demand. There is no reason for anybody to fear shortages," the official told Media. Around half the new piped gas connections - to households and for commercial use - have been activated, while the rest are under process. Separately, over 16,000 LPG connections have been surrendered following the govt's nudge to ensure those with active piped gas connections do not continue to retain cylinders, easing pressure on the system. People wishing to surrender their connections can submit details on the designated portal, which has a 'hall of fame' to recognise consumers who have voluntarily given up their connections.

Amid concerns over supply shortages and long queues, officials said there was sufficient stock of crude oil, petroleum products and cooking gas, which were being replenished. "We have managed quite well for over a month, and we are tying up supplies and importing from wherever required," the official said.

EC seizes voter inducements worth over 650cr from poll-bound states, UT

New Delhi, Agency: Potential voter inducements worth over Rs 650 crore have been seized by Election Commission teams from the five poll-bound states/UT so far, with West Bengal accounting for almost half of these seizures. Since the electronic seizure management system (ESMS) was activated on Feb 26, 2026, flying squads and static surveillance teams have reported cumulative seizures worth Rs 319 crore in West Bengal, Rs 170 crore in Tamil Nadu, Rs 97 crore in Assam, Rs 58 crore in Kerala and Rs 7 crore in Puducherry.

A category-wise breakup shows that freebies accounted for the largest percentage of seizures in terms of value (Rs 231 crore), followed by drugs (Rs 230 crore), liquor (Rs 79.3 crore), precious metals (Rs 58 crore) and cash (Rs 53.2 crore).

As per EC data on seizures made during the 2021 assembly polls, by April 16, 2021, when polling had concluded in Tamil Nadu, Kerala, Assam and Puducherry and was half-way through in Bengal, their total value had crossed Rs 1,000 crore. Tamil Nadu topped the tally with seizures worth Rs 446.3 crore, followed by Bengal (Rs 300 crore), Assam (Rs 122 crore), Kerala (Rs 85 crore) and Puducherry (Rs 37 crore).

Venu Srinivasan quits Hirabai Tata Trust amid eligibility row

New Delhi, Agency: Venu Srinivasan, Chairman Emeritus of TVS Motor and Vice-Chairman of seven Tata Group Trusts, has resigned from the Bai Hirabai Charitable Trust, citing mounting demands from his other business obligations.

His departure coincides with an ongoing legal battle started by former trustee Mehli Mistry, who has contested Srinivasan's and fellow trustee Vijay Singh's right to remain on the trust board.

Meanwhile, the Maharashtra Charity Commissioner has received an affidavit from Mistry. He wants an investigation into purported anomalies at a trust affiliate. Srinivasan and Singh's appointments as vice-chairmen have been contested by him. Mistry asserted that the trust's regulations disqualify them due to their non-Parsi ancestry. Along with other trustees,

Chairman Noel Tata is named in the petition.

The Bai Hirabai Jamsetji Tata Navsari Charitable Institution, an affiliate of the Sir Ratan Tata Trust, is the focus of the petition. Mistry cited clauses in the December 1923 trust contract that prohibited the admission of non-Parsis and mandated that all trustees be Zoroastrians.

He said the latest nominations violated these regulations, raising questions about how people who don't fit the requirements might be trustees.

'Chabahar work to expand even more rapidly in post-war era': Iran envoy

New Delhi, Agency: As bombs fall and sanctions bite across West Asia, Iran has said its economic engagement with India will remain steady during the war and grow faster once conditions stabilise. Iran's ambassador to India, Mohammad Fathali, indicated to Media that wartime disruptions are "mere speed bumps" and that Tehran's "outlook on the future of Iran-India economic relations-even during wartime and especially in the post-war period-remains positive and expansive".

Fathali said, "Economic cooperation between our two nations is built on mutual interests and trust, and there is significant potential for further development." Placing spotlight on the Chabahar Port project, he added it is a key project in this relationship. "In this regard, the Chabahar Port, as a strategic project, plays a key role in strengthening trade and transit links between Iran, India, and the region," he said.

Positioned on Iran's southeastern coast, Chabahar has long been New Delhi's strategic bypass to landlocked Afghanistan and Central Asia, sidestepping Pakistan's choke points, which does not allow overland transit for Indian goods. Al-Biruni, the 10th-century Persian scholar and writer, described the coastal area near the town of Chabahar, then known as Tiz or Tis, as the "entry point or beginning of coastal India" in his Kitab Tarikh Al-Hind (A History of India).

Come April 10, no cash payments at toll booths; FASTag/UPI mandatory

New Delhi, Agency: The Centre has barred cash payments at highway toll booths from April 10, as per a gazette notification issued by the Ministry of Road Transport and Highways. All vehicle owners will now need to have either a valid FASTag or a UPI payment app on a national highway. If they don't have either, there will be a system in place under which they will have 72 hours to make an online payment before penalties will be slapped.

While FASTag will remain the main payment method, the UPI will serve as a backup alternative for vehicles without it. Commuters, including owners of private vehicles and drivers of commercial vehicles, and transportation companies that still accept cash payments at toll booths will be directly impacted by this change. According to Rule 14 of the National Highways Fee Rules, the failure to pay the toll can result in the removal of the vehicle or the refusal of entry. If the outstanding balance is not paid within three days, the amount will double.

About 1,150 toll booths on the country's transportation network, including key expressways, will be impacted by the cashless mandate.

False and fabricated': Assam CM Himanta Biswa Sarma alleges 'Pakistani link' after Congress claims on wife's passports

New Delhi, Agency: Assam chief minister Himanta Biswa Sarma on Monday alleged that the entire press conference conducted by Congress leaders Pawan Khera and Gaurav Gogoi was based on material supplied by a 'Pakistani social media group'. Addressing a press conference, Sarma said that both he and his wife, Riniki Bhuyan Sarma, have filed an FIR against Pawan Khera over what he described as the use of 'fraudulent documents'. He claimed that the passports allegedly linked to his wife were fake. "The original UAE passport was uploaded on social media by a Pakistani man. They (Congress) did AI Photoshop in

the passport. Tipu Sultan had uploaded the original passport on social media. The Egyptian passport is also fake. You can find out through Google Reverse," Sarma said. Explaining the origin of the press conference material, Himanta said that the content shared by Congress leaders was sourced externally.

"Yesterday, Pawan Khera and Gaurav Gogoi did two press conferences, one in Delhi, one in Guwahati. During our research, we found that the entire material of the press conference was supplied by a Pakistani social media group," he said. He added that Pakistan-linked channels had recently broadcast multiple election-related shows favoring Congress.

"In the last 10 days, a Pakistan channel has done at least 11 talk shows regarding the election in Assam, which never happened earlier. In every talk show, the conclusion is that Congress should win. Pakistan's link to yesterday's press conference has also now become very apparent. I am sure this will be taken into consideration by the law enforcement agency," Sarma added.

Assam CM also warned about the legal consequences of using fraudulent documents to influence public opinion.

"Normally, when you raise an issue before the public with fraudulent documents, it attracts sections 420 and 468 of the IPC. When such allegations are used to influence the outcome of an election, higher penalty provisions apply, including life imprisonment," he said. Sarma confirmed that his wife had filed an FIR in response to the allegations. "Yesterday, my wife filed an FIR, and I am sure that the police will register the case under the appropriate sections of law and take necessary action," he added. On the issue of Dubai and other passports, Sarma dismissed the claims as fake.